हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 17 दिसंबर 2025

NEW
RENAULT TRIBER

discovery days
10-22 december

RE-019-LT

TRIBER

discover more

0% rate of interest*

5 से 7 सीट्स
वायरलेस चार्जर
17.78 cm TFT इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर

*0% rate of interest is offered only for a 24-months tenure on select variants and specific loan amounts. **the effective interest rate for the scheme is 0.01% p.a., which is rounded to zero for promotional display purposes.** loan approval, amount, tenure & eligibility are subject to the sole discretion of Nissan Renault Financial Services India Private Limited (NRFSI). visit: https://www.nrfsi.com/ for processing fees & other applicable charges. customers are advised to verify the total cost of the loan & the APR in the Key Fact Statement issued by NRFSI before availing the offer. the offer is valid only for applications submitted between 10 Dec-22 Dec 2025 subject to retails on or before 31st Dec 2025 & may be modified or withdrawn without prior notice. Renault vehicles now come with a standard warranty of 3 years or 100 000 kms, whichever is earlier. the price/features mentioned in this advertisement may vary depencing on the model/variant and features in the car. features depicted in the advertisement may vary based on the model and variant of choice. corporate / PSU / defence personnel / government employee / professional benefits applicable on each model are based on customer eligibility and submission of required proof. price valid on the date of purchase. for detailed terms and conditions, please visit renault.co.in

Renault recommends Castrol

renault.co.in

SHOWROOMS: CHHATTISGARH: RENAULT **BILASPUR** Ph: 8448989103. RENAULT **AMBIKAPUR** Ph: 8448989107. RENAULT **BHILAI** Ph: 7290017807. RENAULT **JAGDALPUR** Ph: 7428297117. RENAULT **KORBA** Ph: 9319184879. RENAULT **RAIPUR** Ph: 7290017983. RENAULT **RAJNANDGAON** Ph: 7428438931.

हसदेव अरण्य पर स्थगन खारिज, विपक्ष का गर्भगृह में प्रवेश, कांग्रेस विधायक निलंबित

हरिभूमि न्यूज: रायपुर।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन का मुद्दा गूंजा। मामले में विपक्ष द्वारा लाया गया स्थगन प्रस्ताव चर्चा के बिना अस्वीकार कर दिया गया। सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में प्रवेश किया, जिसके बाद गर्भगृह में जाने वाले कांग्रेस विधायक स्वतः निलंबित हो गए। बाद में स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने निलंबन वापस ले लिया।

शून्य काल में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने हसदेव अरण्य और अन्य वन क्षेत्रों में खनन को लेकर स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा की मांग की। सरकार की ओर से जवाब दिए जाने के बाद आसंदी ने चर्चा की अनुमति नहीं दी। इसी निर्णय के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने गर्भगृह में प्रवेश कर हंगामा किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, विधानसभा में पहले अशासकीय संकल्प पारित हुआ था कि हसदेव अरण्य में कोई खदान नहीं खोली जाएगी, इसके बावजूद जंगलों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरगुजा से लेकर बस्तर तक वन क्षेत्र तेजी से नष्ट हो रहे हैं। भूपेश बघेल ने कहा, देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण से जूझ रही है, उड़ानें रद्द हो रही हैं, जबकि छत्तीसगढ़ जैसे हरित राज्य को भी प्रदूषण की ओर धकेला जा रहा है। सोलर ऊर्जा की संभावनाओं के बावजूद कोयला खनन को बढ़ावा देना राज्य के भविष्य के लिए खतरा है। छत्तीसगढ़ समृद्धशाली है, लेकिन यहां की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है।

खनन पूरी तरह नियमों के तहत

वन मंत्री ने स्पष्ट किया कि पिछले दो वर्षों में केवल 5 खनन प्रकरणों में 1300.869 हेक्टेयर वन भूमि का नियमानुसार व्यपवर्तन किया गया है। इसके बदले 1780 हेक्टेयर में लगभग 17.8 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। सभी मामलों में एफआरए अनापत्ति, ग्रामसभा और केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद ही कार्यवाही की गई।

विपक्ष के आरोप निराधार

उन्होंने कहा, आईसीएफआरई और डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट के अनुसार परसा ईस्ट-बासेन और परसा कोल ब्लॉक को "विचार किया जा सकता है" श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है और सरकार वन पर्यावरण के प्रति पूरी तरह जिम्मेदार है। वन मंत्री ने यह भी खारिज किया कि बड़े पैमाने पर अवैध वृक्ष कटाई, फर्जी जनसुनवाई या ग्रामीणों पर बल प्रयोग हुआ है। सभी कार्यवाहियां नियमों और विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में की गई हैं।

जंगल क्यों काटे जा रहे- भूपेश बघेल

भूपेश बघेल ने यह भी कहा, आपको बिजली चाहिए तो आपके पास अल्टरनेटिव है, सोलर प्लांट है। सोलर की व्यवस्था है, तो कोयला उत्खनन क्यों कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कोई प्लांट तो लग नहीं रहा है, फिर जंगल को क्यों काटा जा रहा है। हाथी मानव द्वंद्व अलग हो रहा है, ये बहुत बड़ी त्रासदी बन गया है कि हमारे पास खनिज है और यह हमारे लिए परेशानी का कारण बन गया है। लाभ दूसरे लोग उठा रहे हैं और छत्तीसगढ़ को सिर्फ नुकसान हो रहा है। हसदेव बांगो डैम पूरा भर जाएगा तो रायगढ़, चांपा, बिलासपुर और दूसरे जिलों में जो सिंचाई होती है, वह प्रभावित होगी। यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए परेशानी का सबब होगा। इसके लिए हमने स्थगन प्रस्ताव लाया। सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है, यह बात स्पष्ट हो गई है। जहां खदान खुलनी है, उन गांवों में ग्रामसभा नहीं की जा रही है। दूसरे गांवों में ग्रामसभा हो रही है, वो भी 15 मिनट में खत्म हो रही है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा- सरकार वन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील

वन मंत्री केदार कश्यप ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, साय सरकार वन, वन्यजीव, आदिवासी और पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बस्तर में नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार के साथ बस्तर ओलिंपिक का आयोजन किया गया, जिसमें 3 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वन मंत्री ने बताया कि गुरु घासीदास तमोर पिंगला देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बना। कोपरा जलाशय प्रदेश की पहली रामसर साइट घोषित हुआ, बेमेतरा के गिधवा-परसदा में पक्षी विहार की स्थापना की गई। पिछले दो वर्षों में वन आवरण में 94.75 वर्ग किमी की वृद्धि, 'ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट' क्षेत्र में 702 वर्ग किमी की बढ़ोतरी, देश में पहला स्थान है।

साव ने कहा- जल जीवन मिशन में काम का मूल्यांकन करने के बाद ही 70 प्रतिशत तक भुगतान

हरिभूमि न्यूज: रायपुर।

भाजपा विधायक कौशिक ने लगाए भुगतान में भ्रष्टाचार के आरोप

छत्तीसगढ़ विधानसभा में शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन आज सत्ता पक्ष के विधायक ने जल जीवन मिशन के मुद्दे पर सवाल उठाए। विधायक धरमलाल कौशिक ने भुगतान में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा, बिना कार्य पूरा हुए ठेकेदार को भुगतान कर दिया गया है। मंत्री अरुण साव ने कहा, कहीं भी पूरा भुगतान नहीं हुआ है, योजना में 70 प्रतिशत तक ही भुगतान हुआ है।

प्रश्नकाल में भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने जल जीवन मिशन को लेकर कहा, 211 कार्य लक्षित हैं, जिनमें से 91 पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 119 अब भी अपूर्ण हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि इन्हें कब तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने भुगतान प्रक्रिया को लेकर भी जानकारी मांगी। मंत्री अरुण साव ने अपने जवाब में कहा, जहां पर कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, वहां पर पूरा भुगतान नहीं किया गया है।

धरमलाल कौशिक ने बिना काम पूरा हुए भुगतान किए जाने का आरोप लगाया। इस पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने जवाब दिया कि ठेकेदार द्वारा कार्य किए जाने के बाद सब इंजीनियर और एसडीओ जांच करते हैं, फिर कार्यालय से राशि जारी की जाती है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है और जितना कार्य हुआ है, उतने का ही भुगतान किया गया है, जिसमें फिलहाल 70 प्रतिशत राशि दी जाती है। योजना के तहत जितना कार्य हुआ है, उसका मूल्यांकन करने के बाद भुगतान किया जाता है। जितना कार्य किया गया है, उसका 70 प्रतिशत भुगतान करने का नियम है। बिना काम के भुगतान नहीं होता।

मंत्री से पूछा कब पूरे होंगे काम

अजय चंद्राकर ने कहा, 70 प्रतिशत भुगतान का यह मुद्दा किसी एक जिले का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का है और मंत्री को बताना चाहिए कि सभी जिलों में कार्य कब तक पूरे कराए जाएंगे।

एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड में परिवर्तन पर उठे सवाल, मंत्री ने कहा-जोन कमिश्नर ने की थी अनुसंशा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

विधानसभा में एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड में परिवर्तन का मामला बीजेपी विधायक सुशांत शुक्ला ने उठाया। उन्होंने मंत्री पर गलत जानकारी देने की बात कही। मामले में अन्य भाजपा विधायकों ने कमेटी बनाकर जांच करने की मांग की। प्रश्नकाल में विधायक सुशांत शुक्ला ने पूछा कि क्या बिलासपुर जिला अंतर्गत वर्ष 2023 से नवम्बर 2025 की अवधि तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए एपीएल राशनकार्डधारियों को परिवर्तित कर बीपीएल राशनकार्ड जारी किया गया है? यदि हां तो कितने राशनकार्ड परिवर्तित किए गए हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या एपीएल राशन कार्ड से बीपीएल राशन कार्ड परिवर्तित करने के लिए हितग्राहियों से सहमति ली गई? यदि नहीं तो कारण बताएं? इसके लिए दोषी अधिकारियों पर क्या-क्या कार्रवाई की गई?

विभाग दे रहा गलत जानकारी

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया। विधायक ने मंत्री के जवाब को नकारते हुए कहा कि मंत्री का जवाब तथ्यात्मक रूप से गलत है। जिला प्रशासन ने फर्जी राशन कार्ड के मामले में चार एफआईआर कराई है। विधायक ने मंत्री से फिर पूछा कि क्या जिला प्रशासन ने एफआईआर गलत कराई है। मंत्री की चुप्पी के बीच विधायक ने कहा, खाद्य विभाग के अफसर मंत्री को धोखे में रख रहे हैं, गड़बड़ी करने वालों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

मंत्री का जवाब पूरी तरह गलत

मंत्री द्वारा सदन में जवाब पेश करने के बाद विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा, मंत्री सदन में जो जवाब दे रहे हैं, वह पूरी तरह झूठा है। मेरे पास पूरे दस्तावेज हैं। उन्होंने आसंदी से कहा, आपकी अनुमति हो तो दस्तावेज सदन के पटल पर रख देता हूं। उन्होंने कहा, 250 ऐसे राशन कार्ड हैं, जो पूरी तरह फर्जी हैं, इनके दस्तावेज मेरे पास अभी उपलब्ध हैं।

जोन कमिश्नर की अनुसंशा में बनाया गया

मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, बजट सत्र के दौरान भी यह सवाल आया था। कलेक्टर की अध्यक्षता में जांच के लिए समिति बनी थी। जांच के बाद जानकारी मिली कि 19 राशन कार्ड को एपीएल से बीपीएल में परिवर्तित किया गया है। 15 कार्ड सहमति से एपीएल से बीपीएल में बदला गया। चार कार्ड बिना जानकारी के बीपीएल में बदले गए। बिलासपुर नगर निगम के जोन क्रमांक चार में जोन कमिश्नर की अनुशंसा के आधार पर बनाया गया है। मंत्री ने बताया कि जोन कमिश्नर और कार्ड प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नितिन नबीन से मिले प्रदेश के नेता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मंगलवार को राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह सवन्नी, भाजपा प्रदेश मंत्री ,हर्षिता पाण्डेय, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव और राज्य पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने भेंट कर उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएँ व्यक्त की। इस दौरान प्रदेश के भाजपा नेताओं ने छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी के रूप में श्री नबीन के कार्यकाल को कार्यकर्ताओं से जीवन्त सम्पर्क, संगठन कौशल व ऊर्जावान नेतृत्व का प्रतीक बताते हुए कहा कि श्री नबीन की नियुक्ति से छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अभिभूत हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार का 35 हजार करोड़ का प्रथम अनुपूरक बजट सर्वसम्मति से पारित

अब मुख्य बजट और अनुपूरक को मिलाकर दो लाख करोड़ पहुंचा सरकार का बजट

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को राज्य का अब तक का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट 35 हजार करोड़ रुपयों का पारित हो गया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने यह अनुपूरक पेश किया था। अनुपूरक पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों की चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस अनुपूरक में 1937 करोड़ रुपयों के प्रस्ताव पूंजीगत व्यय से संबंधित हैं। बाकी करीब 33 हजार करोड़ रुपए का प्रस्ताव राजस्व व्यय से संबंधित है। उन्होंने ये भी कहा कि इतना बड़ा अनुपूरक पेश करना कोई अच्छा विषय नहीं है। लेकिन इसे पुरानी वित्तीय समस्याओं के समाधान के लिए लाया गया। उन्होंने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार बड़ी उधारी छोड़ गई थी।

इसमें मार्कफेड का 22 हजार करोड़, नान का पांच हजार करोड़, आयुष्मान भारत का 2 हजार करोड़, दवा-रीएजेंट का 1 हजार करोड़ किसानों को पांच एचपी कृषि पंप का 2 हजार करोड़ और जलजीवन मिशन का 3 हजार करोड़ रुपयों का बकाया था। कांग्रेस ने 42 हजार करोड़ रुपयों का बकाया छोड़ा था, उसे मैनेज करने के लिए यह अनुपूरक लाया गया। कांग्रेस ने अपने शासन काल में वित्तीय प्रबंधन सही तरीके से नहीं किया।

वित्त मंत्री ने कहा- पिछली सरकार ने सही तरीके से नहीं किया वित्तीय प्रबंधन

सदन में चर्चा उपरांत अनुपूरक बजट को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अनुपूरक बजट को मिलाकर छत्तीसगढ़ सरकार का वर्ष 2025-26 का कुल बजट 2 लाख करोड़ रूपए का हो गया है। बजट पर सदन में विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के अनेक सदस्यों ने भाग लेकर अपने विचार रखे। चर्चा में अजय चंद्राकर, राघवेन्द्र सिंह, उमेश पटेल, धर्म जीत सिंह, रामकुमार यादव, भावना बोहरा, लता उसेंडी, धरमलाल कौशिक, संगीता सिंहा, कुंवर निषाद, नीलकंठ टेकाम तथा द्वारिका यादव ने भाग लिया।

अनुपूरक बजट में कृषि विकास एवं किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। कृषक उन्नति योजना के लिए अनुपूरक में 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों के पांच एचपी तक के पंपों के लिए मुफ्त बिजली बिल हेतु 1700 करोड़ रूपए तथा बिना ब्याज के अल्पकालीन कृषि ऋण योजना के लिए अनुपूरक बजट में 187 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए 122 करोड़, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए 35 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में पिछली सरकार द्वारा बकाया भुगतान के निपटान के लिए मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना अंतर्गत 6800 करोड़ तथा मार्कफेड को धान खरीदी में हुई हानि के निपटान के लिए 12424 करोड़ इस प्रकार कुल 19,224 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महतारी वंदन योजना के लिए मुख्य बजट में 5,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त अनुपूरक बजट में 2,500 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

इस योजना से प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों के समन्वित विकास हेतु 452 करोड़ रुपये, पुलिस आधुनिकीकरण के लिए 117 करोड़ तथा फॉरेंसिक अधोसंरचना के लिए 22 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास के लिए एक हजार करोड़ रूपए का अतिरिक्त प्रावधान, औद्योगिक विकास के लिए 360 करोड़ के साथ ही नगरीय विकास, खेल, परिवहन, अग्निशमन सेवाएं तथा हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार से जुड़े प्रावधानों को भी अनुपूरक बजट में शामिल किया गया है।

प्रदेश में आरएसएस ने शुरू किया हिंदू सम्मेलन, दो हजार स्थानों पर होंगे

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इसके लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। सबसे अहम हिंदू सम्मेलनों का आयोजन है। इसका प्रारंभ 11 दिसंबर से किया गया है। राजधानी रायपुर के महानगर में 131 स्थानों पर सम्मेलन होने हैं। इसमें से रामसागर बस्ती में पहला आयोजन हो चुका है। प्रदेशभर में आरएसएस के 1601 मंडल और शहरी क्षेत्रों की 666 बस्तियां शामिल हैं। इन सब में सम्मेलन होंगे। इन सम्मेलनों में साधु, संतों के साथ समाज के प्रमुखों का मार्गदर्शन मिलेगा।

आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष में साल भर के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसका आगाज विजयादशमी से किया गया। विजयादशमी पर आरएसएस हमेशा से पथ संचलन का आयोजन करता है। इस बार दो अक्टूबर को विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक प्रदेश में दो हजार स्थानों पर पथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। प्रदेश के हर गांव के हिंदू परिवारों के घरों तक स्वयंसेवक गए और उनको आरएसएस के सौ सालों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को संघ का साहित्य भी वितरित किया गया। सबसे अहम सभी घरों में भारत माता की तस्वीर दी गई।

आरएसएस ने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए ही देश भर में हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है। छत्तीसगढ़ में आरएसएस के 1601 मंडल हैं। ये मंडल प्रदेश के 19 हजार से ज्यादा गांवों को मिलाकर बनाए गए हैं। एक मंडल में आठ से दस गांवों का रखा गया है। अब हर मंडल में हिंदू सम्मेलन कराए जाएंगे। इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में 666 बस्तियां हैं। इनमें भी हिंदू सम्मेलन होंगे। प्रांत संघचालक टोप लाल वर्मा ने बताया, हिंदू सम्मेलन करने का मकसद समाज को संगठित करना है। सम्मेलनों में मंडलों से जुड़े गांवों के लोगों को एक मंच पर लाएंगे। सम्मेलन में साधु, संतों के साथ विभिन्न समाज से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। इसमें इनका मार्गदर्शन मिलेगा। ये सम्मेलन जनवरी में मकर संक्रांति तक होंगे। कार्यक्रमों की कड़ी में जनवरी में युवाओं के लिए युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 221 स्थानों पर होगा। इसमें 152 खंड और 69 नगर शामिल हैं।

अजय ने कहा- संगीता की अक्ल में ओले पड़ गए

संगीता का अजय को बड़ा ऑफर-15 विधायक के साथ कांग्रेस आएं मुख्यमंत्री बन जाएं

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

विधानसभा में कई रोचक बातें सदस्यों के बीच चर्चा के दौरान देखने को मिलती हैं। विधानसभा में चर्चा के दौरान मंगलवार को कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने अजय चंद्राकर को ऑफर दिया कि 15 विधायकों के साथ कांग्रेस में आएं और मुख्यमंत्री बन जाएं। संगीता सिन्हा ने कहा, पहले दिन अजय चंद्राकर ने विपक्ष की भूमिका निभाई। कांग्रेस की अनुपस्थिति में पूरी सरकार की कार्य प्रणाली पर उंगली उठाई। वैसे हम लगातार देख रहे अजय चंद्राकर सरकार से दुःखी हैं। वे 15 विधायक लेकर आएं हम उन्हें सीएम बनाएंगे।

चर्चा के दौरान सदस्यों के एक दूसरे पर रोचक अंदाज में कटाक्ष

अजय चंद्राकर का पलटवार

संगीता सिन्हा के ऑफर पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा, संगीता की अक्ल में ओले पड़ गए हैं। शायद वह ठंड में मैनपाट या चिल्फी घाटी घूमने गई होंगी, इसलिए बहकी-बहकी बातें कर रही हैं।

दो दिनों से चर्चा में अजय

पिछले दो दिनों से इस बात की चर्चा हो रही है कि कांग्रेस के विधायक जब सदन में नहीं थे, तो अजय चंद्राकर ने विजन 2047 पर वक्तव्य दिया। उसमें पूरी सरकार की कार्य प्रणाली पर ही सवाल उठाए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त सहित कई विभागों का उदाहरण देकर अपनी सरकार को आईना दिखाया। उसके बाद से विपक्ष के सदस्यों ने यहां तक कह दिया कि हमारे न रहने पर अकेले अजय भारी पड़ते हैं। उसी तर्ज पर संगीता सिन्हा की आज की टिप्पणी भी चर्चा का विषय रही।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश, नए सत्र से लागू होगी व्यवस्था

नर्सरी कक्षाएं बाहर, अब केवल पहली कक्षा में ही आरटीई के जरिए दाखिले

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एकरूपता लाने नई व्यवस्था, असमंजस में निजी विद्यालय

शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में दाखिले केवल पहली कक्षा में ही मिलेंगे। नर्सरी कक्षाओं को प्रवेश की दौड़ से बाहर कर दिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से यह नई व्यवस्था लागू होगी। इसे लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटें गरीब वर्ग के लिए आरक्षित रखी जाती हैं। नर्सरी, पीपी-1 और पीपी-2 सहित पहली कक्षा में आरटीई के जरिए प्रवेश दिए जाते हैं। इन कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई संबंधित निजी स्कूलों में ही जारी रखते हैं।

आदेश के मुताबिक, अब गरीब छात्रों के पास केवल पहली कक्षा में ही दाखिले का अवसर होगा। अब तक पहली कक्षा सहित नर्सरी कक्षाओं में भी प्रवेश के लिए

आवेदन करने का मौका आरटीई के अंतर्गत होता था। नर्सरी में मनचाहे स्कूल में दाखिला नहीं मिल पाने पर छात्र आने वाले वर्षों में अगली कक्षाओं के लिए आवेदन करने पात्र होते थे। अब यह विकल्प छात्रों के पास नहीं होगा। किसी निजी विद्यालय में नर्सरी कक्षा से स्कूलिंग की शुरुआत होती है तो कहीं पहली कक्षा शुरुआती कक्षा होती है। जिस निजी विद्यालय में जो निजी कक्षा होती है, वे वहीं से आरटीई दाखिले की शुरुआत करते हैं। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, एकरूपता लाने यह प्रयोग किया जा रहा है। आदेश के बाद अब सभी निजी विद्यालयों में पहली कक्षा से ही प्रवेश होंगे। निजी स्कूलों के समक्ष एक समस्या सीट संख्या को लेकर भी है। चूंकि आरटीई के लिए कुल सीटों का 25 प्रतिशत आरक्षित करना होता है, ऐसे में नर्सरी से पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले 25 प्रतिशत विद्यार्थियों को स्कूल से बाहर करना होगा अथवा पहली कक्षा की सीटें नर्सरी कक्षा से 25 प्रतिशत अधिक रखनी होगी।

पैसे बचाने नए नियम

निजी स्कूल आदेश जारी होते ही विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि शासन द्वारा पैसे बचाने यह नियम लाया गया है। निजी स्कूल संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा, यदि छात्र नर्सरी कक्षा से ही निजी स्कूल में अध्ययन करेगा तो शासन को नर्सरी, पीपी-1 और पीपी-2 की फीस भी देनी होगी। शासन इसमें बचत करने के लिए नया नियम लेकर आ रही है। बाल्यावस्था की शिक्षा 3–6 वर्ष तक सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है, जहां भाषा, व्यवहार और सीखने की नींव रखी जाती है। आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग के बच्चे निजी स्कूलों में नर्सरी से पढ़ाई जारी रखेंगे, जबकि गरीब बच्चे सीधे पहली कक्षा में प्रवेश लेकर शैक्षणिक असमानता के शिकार होंगे। यह निर्णय बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ाएगा और ड्रॉप-आउट की आशंका को बढ़ावा देगा।

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹100301/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹122500/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹133721/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 17 दिसंबर 2025

आईपीएल के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी ग्रीन, 25 करोड़ में कोलकाता ने खरीदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अबूधाबी

आईपीएल के मिनी-ऑक्शन में मंगलवार को एक बड़ा रिकॉर्ड बना, जब ऑस्ट्रेलिया के प्रतिभाशाली ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए। अबू धाबी में चल रहे इस रोमांचक ऑक्शन में, ग्रीन को कोलकाता नाइट राइडर्स ने भारी-भरकम 25.20 करोड़ की राशि में खरीदा। इस बोली के साथ, कैमरून ग्रीन ने न केवल इस मिनी-ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ी का तमगा हासिल किया, बल्कि उन्होंने आईपीएल नीलामी में बिकने वाले विदेशी खिलाड़ियों के पिछले सभी रिकॉर्ड्स को भी तोड़ दिया।

अलग खबर

इस मिनी ऑक्शन ने साफ कर दिया कि फ्रेंचाइजियां अब केवल बड़े नामों पर नहीं, बल्कि टीम संतुलन और रणनीति पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। आने वाले सेटों में तेज गेंदबाजों और स्पिनर्स ▶▶|शेष पेज 4 पर

कैमरून ने तोड़ा स्टार्क का रिकॉर्ड

कैमरून ग्रीन ने यह रिकॉर्ड अपने ही देश के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पछाड़ते हुए बनाया। मिचेल स्टार्क को पिछले साल केकेआर ने ही 24.75 करोड़ की राशि में खरीदा था, जो उस समय आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे।

आज छत्तीसगढ़ के शुभम अग्रवाल पर रहेगी नजर

आईपीएल के ऑक्शन में इस बार शुभम अग्रवाल पर नजर रहेगी। मंगलवार को शुभम का नाम नहीं आया था, लेकिन उम्मीद है कि आज नीलामी में उनका नाम हो सकता है। इस बार छत्तीसगढ़ से केवल एक ही खिलाड़ी आईपीएफ ऑक्शन में पहुंचा है। इससे पहले पंजाब ने शशांक और दिल्ली ने अजय मंडल को रिटेन कर लिया था, जो इस सत्र में भी टीम का हिस्सा रहेंगे। पिछले साल पंजाब ने शशांक को 5.50 करोड़ में रिटेन किया था। वही, अजय मंडल को दिल्ली की टीम ने 30 लाख में खरीदा था। अजय आईपीएल में छत्तीसगढ़ से उतरने वाले चौथे खिलाड़ी थे। इसके पहले शुभम अग्रवाल, शशांक ▶▶|शेष पेज 4 पर

वेंकटेश अय्यर की कीमत में भारी गिरावट

ऑक्शन में सबसे चौंकाने वाला पहलू वेंकटेश अय्यर की कीमत रही। जिन्हें 2024 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, वही खिलाड़ी इस बार सिर्फ 7 करोड़ रुपये में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खाते में चला गया।

11 आईएएस के तबादले आधा दर्जन कलेक्टर हुए इधर-उधर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासन ने मंगलवार को 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया। इसमें आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर्स प्रभावित हुए हैं। कोरबा जिले के कलेक्टर अजीत वसंत को सरगुजा का कलेक्टर पदस्थ किया गया है। दंतेवाड़ा कलेक्टर का दायित्व संभाल रहे कुणाल दुदावत को कोरबा कलेक्टर की नई जिम्मेदारी दी गई है।

- रणवीर स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक संदीपन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार आईएएस भोस्कर विलास संदीपन को छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है, ▶▶|शेष पेज 4 पर

ये होंगे नए कलेक्टर

- अजित वसंत को सरगुजा
- कुणाल दुदावत को कोरिया
- देवेश कुमार ध्रुव को दंतेवाड़ा
- प्रतिष्ठा ममगाई को बेमेतरा
- नमता जैन को नारायणपुर
- अमित कुमार को सुकमा

खबर संक्षेप

प्रदेश के 6 सरकारी बैंकों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्त

रायपुर । प्रदेश सरकार ने आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाओं के प्रस्ताव के आधार पर प्रदेश के आधा दर्जन सहकारी बैंकों में नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। इसमें रायपुर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का अध्यक्ष निरंजन सिन्हा और उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप को बनाया गया है। इसी तरह से बिलासपुर में रजनीश सिंह (पूर्व विधायक बेलतरा) को अध्यक्ष और रजनी साहू को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सरगुजा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में रामकिशुन सिंह को ▶▶|शेष पेज 4 पर

अभिज्ञान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय

दुबई। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ खेले जा रहे अंडर-19 एशिया कप के मुकाबले में नाबाद दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने 125 गेंदों पर नाबाद 209 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। अभिज्ञान ने छक्का लगाकर अपना दोहरा शतक पूरा किया।

नागपुर, बालोद, धमतरी, रायपुर के युवाओं ने बनाया था प्लान

डॉक्टर के घर 200 करोड़ होने की सूचना पर फर्जी छापा, फिल्म स्पेशल-26 की तर्ज पर धावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

रत्नाबांधा रोड स्थित पैथालॉजिस्ट के घर इनकम टैक्स अधिकारी बनकर फर्जी छापेमारी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दर्जन भर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास सूचना थी कि डॉक्टर के पास 200 करोड़ रुपए हैं। छापे में कुछ नहीं मिलने के बाद सब भाग निकले थे।

पुलिस के अनुसार पैथालॉजिस्ट डॉ. दिलीप राठौर के रत्नाबांधा रोड स्थित बंगले में 17 नवम्बर को 11.30 बजे 6 से 7 व्यक्ति दो वाहन में पहुंच स्वयं को इनकम टैक्स अधिकारी बताया। बिना किसी पहचान व बगैर सर्च वारंट के पैथालॉजिस्ट के घर जबरन घुसकर लगभग ढाई घंटे तक घर के सभी कमरों, दराजों, आलमारी एवं लॉकर की तलाशी ली। इस दौरान पैथालॉजिस्ट को घर से बाहर नहीं निकलने दिया। तलाशी में कुछ नहीं मिलने पर आरोपी दो वाहनों में बैठकर फरार हो गये। पैथालॉजिस्ट की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्जकर विवेचना शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में पुलिस की अलग-अलग टीम का गठन किया गया। साइबर सेल के सहयोग से तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर टीमों को नागपुर, दुर्ग, रायपुर, बालोद ▶▶|शेष पेज 4 पर

खास बातें

- छापा फेल होने के बाद भाग निकले थे आरोपी
- महीनेभर बाद 12 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार
- पूछताछ में सुनाई फिल्मी कहानी

करोड़ों रुपए होने की सूचना पर बनाई प्लानिंग

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि पैथालॉजिस्ट के घर में 200 करोड़ रुपए होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसी सूचना के आधार पर बालीवुड मूवीज स्पेशल 26 की तर्ज पर आरोपियों ने आपस में संपर्क कर सुनियोजित षडयंत्र रचते हुए फर्जी इनकम टैक्स टीम बनाकर घटना को अंजाम दिया। पैथालॉजिस्ट द्वारा घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई। आरोपियों से लि गए अलग-अलग बयान के आधार पर घटना में प्रयुक्त चारपहिया वाहन टाटा सफारी, स्विफ्ट डिजायर एवं स्विफ्ट कार सहित आपसी संपर्क में प्रयुक्त मोबाइल फोन तथा नगदी रखने हेतु प्रयुक्त जूट की बोरी को जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर पुलिस ने सभी 12 आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

आरोपियों के खिलाफ पूर्व में मामला दर्ज

इस मामले में गिरफ्तार आरोपी दीपक मोहन वर्ड के खिलाफ पारसिवनी थाना नागपुर में धारा 305 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज है। आरोपी अमन उत्तम मेश्राम के खिलाफ थाना नंदनवन नागपुर सिटी में आर्म्स एक्ट व हत्या के गंभीर मामले दर्ज हैं।

यह है फर्जी आईटी टीम

इस वारदात में शामिल बबलू अजबराव नाइक उर्फ नीना मामा पिता अजबराव (43) नागपुर, अर्पण उत्तम मेश्राम पिता उत्तम (25) नंदनवन महाराष्ट्र, अमन उत्तम मेश्राम पिता उत्तम (26) नंदनवन महाराष्ट्र, संजय जगतराव शिवरिया उर्फ बाला पिता जगतराम (52) नागपुर, दीपक मोहन वर्ड पिता मोहन (22) नागपुर, संजय रामटेके पिता राजेन्द्र (34) झुरीपारा बालोद, गजेन्द्र कुमार साहू पिता राजेश (31) ग्राम कुसुमकसा थाना दल्लीराजहरा जिला बालोद, विवेक उर्फ विक्की कोसंवाडा पिता द्रोणेन्द्र (33) ग्राम बोरसी थाना पदनामपुर दुर्ग, उमेश साहू पिता कोमल (30) बजरंग चौक ग्राम भटगांव थाना रूद्री धमतरी, जितेन्द्र कुमार बघेल पिता नीलकंठ (32) निवासी ग्राम ▶▶|शेष पेज 4 पर

डीकेएसजेडसी, तेलगांना स्टेट कमेटी व एओबी डिविजन के सदस्य

84 लाख के 34 नक्सलियों का समर्पण, इनमें सात महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

दशकों से नक्सल संगठन में शामिल 7 महिला समेत 34 नक्सलियों ने मंगलवार को बीजापुर में पुलिस के समक्ष समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पित नक्सलियों पर 84 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें डीकेएसजेडसी, तेलगांना स्टेट कमेटी व एओबी डिविजन के सदस्य शामिल है, जिन पर पुलिस पार्टी पर फायरिंग, आईईडी ब्लास्ट और आगजनी जैसे संगीन मामले दर्ज थे। सभी नक्सलियों ने डीआईजी सीआरपीएफ बीएस नेगी व एसपी बीजापुर डॉ जितेन्द्र यादव व अन्य अधिकारियों के समक्ष समर्पण किया।

पुलिस पर फायरिंग आईईडी ब्लास्ट आगजनी घटनाओं में थे शामिल, दिया गया 50-50 हजार रुपए

समर्पित नक्सलियों में केरलापाल एरिया कमेटी डीव्हीसीएम, पीएलजीए कंपनी नम्बर 2 एवं अलग-अलग कंपनी के सदस्य, एसीएम, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, ▶▶|शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ को शांति, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य का प्रदेश बनाना संकल्प - सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा बस्तर अंचल में शांति, विश्वास और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। बीजापुर जिले में 84 लाख के इनामी 34 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागते हुए भारतीय संविधान में आस्था जताई है और समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी की दृढ़ इच्छाशक्ति के अनुरूप छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त बनाने की दिशा में चल रहे सतत और ठोस प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की 'पूना मारगेम' नीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि संवाद, संवेदनशीलता और विकास, हिंसा से कहीं अधिक प्रभावी समाधान हैं। यह आत्मसमर्पण केवल हथियार छोड़ने की ▶▶|शेष पेज 4 पर

220 माओवादी मुठभेड़ में ढेर, 824 मुख्यधारा में शामिल

एसपी ने बताया कि बीजापुर जिले में 1 जनवरी 2024 से अब तक 824 माओवादी समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। वहीं 1079 माओवादी को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा जिले के अलग अलग इलाकों में हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 220 माओवादी को ढेर कर चुके है। शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन ▶▶|शेष पेज 4 पर

वांतारा की विशेष यात्रा पर लियोनेल मेस्सी ने अनंत अंबानी के साथ पवित्र भारतीय परंपराओं एवं वन्यजीवों के बीच अविस्मरणीय अनुभव साझा किए...

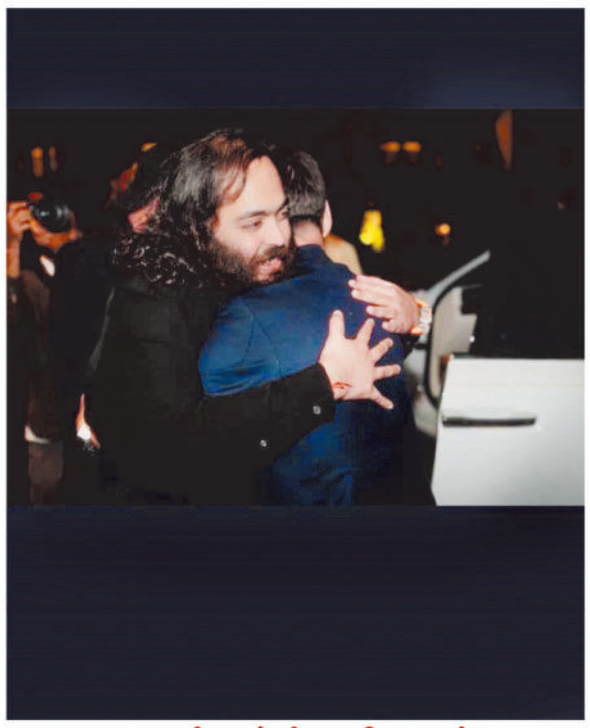

अनंत अंबानी द्वारा मेस्सी का आलिंगन करते हुए

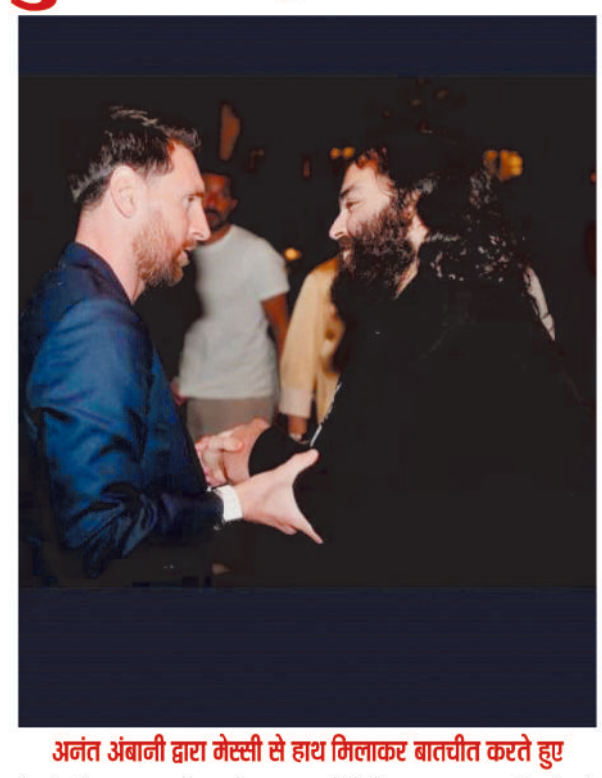

अनंत अंबानी द्वारा मेस्सी से हाथ मिलाकर बातचीत करते हुए

जामनगर, भारत। वैश्विक फुटबॉल आइकन लियोनेल मेस्सी ने अनंत अंबानी द्वारा स्थापित वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र वांतारा का विशेष दौरा किया। इस केंद्र में परंपरानुसार हर पहल की शुरुआत सनातन धर्म के अनुरूप आशीर्वाद लेने से होती है, जो प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान पर बल देता है। मेस्सी की यह यात्रा इसी सांस्कृतिक लोकाचार की झलक थी—उन्होंने पारंपरिक हिंदू अनुष्ठानों में भाग लिया, वन्यजीवों का अवलोकन किया और देखभालकर्ताओं तथा संरक्षण टीमों से संवाद किया। यात्रा के दौरान उनकी गतिविधियों में वह विनम्रता और मानवीय संवेदनशीलता परिलक्षित हुई, जिसके लिए वे व्यापक रूप से पहचाने जाते हैं, और वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते अनंत अंबानी के साथ उनके आत्मीय संबंध और मित्रता भी उजागर हुई।

मेस्सी अपने इंटर मियामी के साथी खिलाड़ियों लुइस सुआरेज़ और रोड्रिगो डी पॉल के साथ पहुंचे, जहाँ उनका भव्य पारंपरिक शैली में स्वागत किया गया। स्वागत में जीवंत लोकसंगीत, आशीर्वाद और शुभ भावना का प्रतीक पुष्पवर्षा, तथा औपचारिक आरती शामिल थी। फुटबॉल दिग्गज ने मंदिर में महा आरती में भी भाग लिया, जिसमें अंबे माता पूजा, गणेश पूजा, हनुमान पूजा और शिव अभिषेक सम्मिलित थे। इस अवसर पर विश्व शांति और एकता की प्रार्थना की गई, जो भारत की सभी जीव-जंतुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान की शाश्वत परंपरा के अनुरूप है। स्वागत के बाद मेस्सी ने वांतारा के विशाल संरक्षण-परिसर का निर्देशित भ्रमण किया। यह परिसर बचाए गए बड़े बिलौटों (बिग कैट्स), हाथियों, शाकाहारी जीवों, सरीसृपों और दुनिया भर से लाए गए कम उम्र के पशुओं के पुनर्वास व देखभाल का केंद्र है। उन्होंने ग्रीन एनर्जी कॉम्प्लेक्स और दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स का भी दौरा किया, जहाँ संचालन के पीछे मौजूद विशाल पैमाने और दूरदृष्टि को देखकर उन्होंने प्रशंसा व्यक्त की।शेरों, तेंदुओं, बाघों और अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों के देखभाल केंद्र में मेस्सी ने समृद्ध और प्राकृतिक माहौल में फल-फूल रहे जानवरों के साथ समय बिताया; कई जानवर उत्सुकतापूर्वक उनके पास भी आए। इसके बाद उन्होंने हर्बिवोर केयर सेंटर और रिपटाइल केयर सेंटर का दौरा किया, जहाँ उन्होंने विशेष पशु-चिकित्सा देखभाल, अनुकूलित पोषण, व्यवहार-आधारित प्रशिक्षण और सुव्यवस्थित पशुपालन प्रोटोकॉल के तहत जानवरों की उत्कृष्ट देखरेख देखी—जो वन्यजीव कल्याण में वांतारा के वैश्विक नेतृत्व को दर्शाती है। यात्रा के दौरान उन्होंने मल्टी-स्पेशियलिटी वाइल्डलाइफ हॉस्पिटल भी देखा, जहाँ उन्होंने वास्तविक समय में नैदानिक और शल्य-चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और बाद में ओकापी, गैंडे, जिराफ और हाथियों को खाना भी खिलाया। वैश्विक दृष्टि से उन्होंने देश में वन्यजीव देखभाल और संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। फॉस्टर केयर सेंटर, जो अनाथ और संवेदनशील/कमज़ोर छोटे जानवरों के लिए समर्पित है, वहाँ मेस्सी ने उनके संघर्ष और पुनर्निर्माण की प्रेरक यात्राओं के बारे में जाना। एक भावुक और हृदयस्पर्शी क्षण में अनंत अंबानी और राधिका अंबानी ने मिलकर एक शेर के शावक का नाम "लियोनेल" रखा—यह नाम अब आशा और निरंतरता का प्रतीक बन गया है, जो फुटबॉल दिग्गज के सम्मान में दिया गया। दौरे का सबसे खास आकर्षण एलिफेंट केयर सेंटर रहा, जहाँ मेस्सी मणिकलाल से मिले—एक बचाया गया हाथी का बच्चा, जिसे दो साल पहले उसकी बीमार माँ प्रतिमा के साथ लकड़ी उद्योग में कठोर श्रम से मुक्त कराया गया था। एक ऐसी घटना में जिसने पूरे केंद्र का दिल जीत लिया, मेस्सी ने मणिकलाल के साथ अचानक एक फुटबॉल-आधारित एनरिचमेंट गतिविधि में भाग लिया और खेल व खेलभावना की सार्वभौमिक भाषा का सुंदर प्रदर्शन किया। हाथी के बच्चे ने इस गतिविधि पर उत्साह से प्रतिक्रिया दी और खेल-खेल में ऐसे अंदाज दिखाए, जिनसे उसकी उभरती क्षमताएँ झलकती थीं—यह पल मेस्सी की भारत यात्रा के सबसे यादगार क्षणों में से एक बन गया। अनंत अंबानी ने वांतारा आने और जानवरों व मानवता के प्रति निस्वार्थ रूप से प्रेरणा देने के लिए मेस्सी का आभार व्यक्त किया। इसके उत्तर में मेस्सी ने स्पेनिश में कहा, "वांतारा जो करता है, वह सचमुच बहुत सुंदर है—जानवरों के लिए किया जाने वाला काम, उन्हें मिलने वाली देखभाल, और जिस तरीके से उन्हें बचाकर सुरक्षित रखा जाता है। यह वास्तव में प्रभावशाली है। हमने यहाँ बहुत अच्छा समय बिताया, पूरे समय खुद को पूरी तरह सहज महसूस किया, और यह एक ऐसा अनुभव है जो आपके साथ बना रहता है। इस अर्थपूर्ण कार्य को प्रेरित करने और समर्थन देने के लिए हम निश्चित रूप से फिर से आएँगे।"

यात्रा के अंत में मेस्सी ने नारियल उत्सर्ग और मटकी फोड़ जैसे पारंपरिक अनुष्ठानों में भाग लिया, जो सद्भावना और शुभ आरंभ का प्रतीक माने जाते हैं। समारोह शांति और कल्याण के मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ, जिसने उन साझा मूल्यों को रेखांकित किया जो वांतारा के मिशन को मेस्सी की वैश्विक विरासत से जोड़ते हैं। विश्वभर में सामाजिक कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों के कल्याण के लिए समर्पित लियो मेस्सी फाउंडेशन का नेतृत्व करने वाले मेस्सी ने वांतारा के उद्देश्य के साथ गहरा जुड़ाव व्यक्त किया और जानवरों के लिए करुणामय, विज्ञान-आधारित देखभाल की उसकी दृष्टि की सराहना की।

चिंतन

भारत-जॉर्डन साझेदारी को मिलेगी नई गति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन यात्रा आर्थिक, रणनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से काफी अहम रही। इससे न केवल साझेदारी और सहयोग को गति मिलेगी, बल्कि आपसी रिश्ते भी और मजबूत होंगे। यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति का हिस्सा है और पश्चिम एशिया में भारत के प्रभाव को बढ़ाने के लिए एक अहम कदम भी है। अक्सर देखने में आ रहा है कि जब भी पीएम नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर रवाना होते हैं, तो यह केवल एक औपचारिक दौरा नहीं होता, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम भी होता है। जो देश के विकास और मजबूती को नया आयाम देता है। बता दें कि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 37 वर्षों में जॉर्डन की यह पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा रही है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुई इस यात्रा से भारत-जॉर्डन साझेदारी को नई गति मिली है और दोनों देशों के बीच विश्वास तथा आपसी समझ भी बढ़ी है। पीएम मोदी की यह यात्रा इसलिए भी महत्व रखती है कि जॉर्डन दुनिया के उन देशों में से एक है, जिसने स्वतंत्र देश के रूप में भारत से शुरुआती दौर में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। दोनों देशों के बीच सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए पहला द्विपक्षीय समझौता 1947 में हुआ था और 1950 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हो गए थे। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध भी दशकों से मजबूत रहे हैं। दोनों देश शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति का जायजा लेने के लिए नियमित रूप से एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल-हुसैन के साथ व्यापक बातचीत की। वहीं, जॉर्डन ने भी आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख का समर्थन किया और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। बता दें कि जॉर्डन भारत को फॉस्फेटिक उर्वरकों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। भारत की बढ़ती उर्वरक मांग को पूरा करने के लिए दोनों देशों की कंपनियों ने जॉर्डन में और निवेश करने के लिए बातचीत की। पीएम मोदी ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर अहम चर्चा हुई। रुपे कार्ड के उपयोग सहित डिजिटल लेनदेन के एक आशय पत्र, स्वच्छ ऊर्जा विकल्प के रूप में नागरिक परमाणु ऊर्जा पर भी बात हुई। इसके अलावा पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जॉर्डन के पेट्रा और भारत के एलोरा पर्यटन स्थलों के बीच संबंध स्थापित करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जॉर्डन के बाद मोदी इथोपिया और ओमान का दौरा भी करेंगे। पीएम के विदेश दौरे दर्शाते हैं कि आज भारत को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। उनकी यह यात्रा भारत की उसी छवि को और सशक्त करती है। वैश्विक मुद्दों पर भारत की भूमिका को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की आवाज और प्रभाव बढ़ेगा।

नशामुक्ति

डॉ. रमेश ठाकुर

नशे के खिलाफ मालदीव मॉडल जरूरी

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का एक सख्त और बेहद कठोर कानून बनाया है। कानून के मुताबिक वर्ष-2007 के बाद मालदीव में जन्में लोग अब भविष्य में कभी भी किसी सूरत में स्मोकिंग नहीं कर पाएंगे। अगर ऐसा किसी ने भूलवश किया, तो उसे भारी जुर्माना चुकाना होगा। कानून को पिछले महीने यानी 15 नवंबर से पूरे देश में लागू कर दिया गया है। मालदीव में अब तंबाकू-खैनी, गुटखा, बीड़ी सिगरेट, चरस-गांजा, अफीम या ई-सिगरेट को खरीदना और बेचना अपराध की श्रेणी में है।

कोई दुकानदार अगर खुदा न खास्ता चोरी छिपे किसी को तंबाकू बेचता पकड़ा गया, तो उसे 50,000 मालदीवियन रूफिया यानी 2.88 लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। वहीं, ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया यानी 29,000 हजार रुपये बतौर जुर्माना देने होंगे। दूसरी बार जुर्माना लगने पर ड्राइविंग लाइसेंस को हमेशा के लिए निरस्त करने का प्रावधान है। ये नियम मालदीव जाने वाले अन्य देशों के लोगों पर भी लागू है। इस अनोखे कानून का सबसे सुखद पहलू ये है कि उसे सत्ता और विपक्ष की आम सहमति से संसद में पारित किया गया। देश वासियों ने बाकायदा जश्न मनाया। कानून बनने की खुशी में पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने मिलकर पार्टी भी आयोजित की और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। दरअसल, धूम्रपान ऐसी आधुनिक बीमारी के रूप में उभर चुकी है जिसने तकरीबन प्रत्येक के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। वाजिब सवाल यहां ये उठता है कि आखिर धूम्रपान के विरुद्ध मालदीव की तरह कठोर कदम भारत में क्यां नहीं उठाया जा सकता?

किस बात की दिक्कत है। जबकि, डब्ल्यूएचओ के मुताबिक भारत में नशे से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक है। भारत में कुछ प्रदेशों के युवा नशे में उड़ रहे हैं। घर के घर तबाह हैं। ऐसों को देखकर फिल्ममेकर 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्में भी बनाने लगे हैं। फिर भी कोई सुधार नहीं होता दिखता। नशेड़ियों का हर पल, हर जगह, उपहास उड़ता है। बावजूद इसके अपनी हरकतों से वो बाज नहीं आते? दुनिया में हर बरस 80 लाख मौतें होती हैं फिर भी कोई नहीं डर रहा। नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है जब तक मालदीव जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीव की भांति ज्यादा से ज्यादा देश अपने यहां ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। हिंदुस्तान तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक देश है। सरकार राजस्व का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुटाती है। भारत में तंबाकू-धूम्रपान से सालाना 13.5 लाख लोग असमय मरते हैं।

'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेशन' के मुताबिक भारत सरकार प्रत्येक बरस अपने मरीजों पर 1.77 करोड़ रुपये खर्च करती है। ये जानते हुए भी कि तंबाकू कैंसर, फेफड़ों की बीमारी और हृदय रोग सहित कई पुरानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। फिर भी लोग गुटखा-खैनी इस्तेमाल करते हैं। पंजाब पाकिस्तान के बॉर्डर से सटा है, जहां से चोरी छिपे हर दिन सैकड़ों किलो मादक पदार्थों की खेप पहुंचती हैं। तस्कर इसके

लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। देखा जाए तो मालदीव ने अपनी पीढ़ियों को बचाने के लिए जो इच्छाशक्ति दिखाई है, वह अन्य मुल्कों के लिए एक नायाब उदाहरण जैसा है। उनका यह निर्णय नशे से प्रभावित देशों को धूम्रपान से लड़ने के लिए ना सिर्फ हिम्मत देगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा। मालदीव का नशा मुक्ति पर लिया कठोर निर्णय निश्चित रूप से साहसिक कदम कहा जाएगा। ऐसा करके मालदीव विश्व का पहला मुल्क बना है, जहां साल 2007 के बाद जन्मा कोई इंसान कश से दूर रहेगा। मालदीव में धूम्रपान से सालाना मात्र 150 लोग ही जान गवाते हैं, फिर भी सरकार अपने नागरिकों के लिए इतनी फिक्रमंद है। कानून से जुड़ी एक अच्छी बात ये भी है कि यह नियम वहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी लागू रहेंगे। विश्व की सरकारें अगर ईमानदारी से जनहित की नीतियों पर मंथन करें, तो धूम्रपान पर मुक्ति पाना असंभव नहीं? मॉर्डन स्टेटस कहें, या पश्चिमी सभ्यता का विस्तार? देखा-देखी युवा नशे की लत में घुसते जा रहे हैं। मालदीव ही नहीं, विश्व का कोई देश इस समय अछूता नहीं बचा, जहां के टीनएजर्स इस समस्या की गिरफत में न समाए हों? इस मामले में एशिया पहले पायदान पर है जहां बड़े स्तर पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जारी है। मालदीव सरकार द्वारा पारित 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' दुनिया का पहला 'तम्बाकू मुक्त' कानून है। हालाकि, हिंदुस्तान में धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध के संबंध में कोई विशेष कानून नहीं है। पर, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जैसे कई कानून पहले से हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाती रहती हैं। जैसे, इस समय पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर अभियान छेड़ा हुआ है। अभियान के तहत महीने भर से मादक पदार्थों की धरपकड़ जारी है। दुर्भाग्य से इस तरह के अभियान या प्रदेश सरकारों की सख्तियां कारगर साबित नहीं हो पाती। कुछ समय बाद ही दम तोड़ देती हैं। हमारे यहां कागजों में ही ऐसी पाबंदियों की भरमार हैं जिनमें शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल-कॉलेजों के सौ मीटर दूरी तक पान-मसाला बेचने की मनाही होती है। लेकिन अब स्कूलों के भीतर भी मादक पदार्थ पकड़े जाने लगे हैं। बीते दिनों ग्रेटर नोएडा के एक नामी कॉलेज में छात्रों के पास से पुलिस ने नशे की ढेर सारी सामग्रियां बरामद की। वैश्विक स्तर धूम्रपान के विरुद्ध लड़ाई लड़ने की जरूरत अब महसूस होने लगी है। इस लड़ाई में पहला कदम मालदीव ने बढ़ा दिया है।

अब कोई ये भी नहीं कहेगा कि 'बिल्ली के गले में कौन बांधे घंटी'। ऐसी पहल का इंतजार सभी को था लेकिन अब हो गई। कितनी सुखद खबर है कि दुनिया में पहली बार किसी देश ने तय किया कि उसकी आने वाली पीढ़ियां कभी सिगरेट, तंबाकू से अपने फेफड़े नहीं जलाएंगी। मालदीव की आबादी मात्र 5 से 7 लाख है और जीडीपी पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। मालदीव स्वास्थ्य मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की है कि 1 नवम्बर 2025 से तंबाकू-मुक्त पीढ़ी कानून लागू हो चुका है। यह नियम विदेशी पर्यटकों पर भी लागू होगा। दुकानदारों को खरीदार की उम्र की अनिवार्य जांच करनी होगी। मालदीप ने वर्ष 2024 में 40 करोड़ सिगरेट आयात की थी। कमाई की परवाह न करते हुए भी मालदीव ने अपने यहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी कानून लागू किया है। साफ-सफाई और सुंदरता में उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। हालांकि, वहां ई-सिगरेट और वेपिंग पर रोक करीब दशक भर पहले से थी। पर, अब पूर्ण प्रतिबंधित कर दिया है। युवा पीढ़ी की सेहत को बचाने के लिए सभी मुल्कों को ऐसे कानून बनाने चाहिए। मालदीव का धूम्रपान पर अंतिम प्रहार दुनिया के लिए सबक है।

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का एक सख्त और बेहद कठोर कानून बनाया है। नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है जब तक मालदीव जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीव की भांति ज्यादा से ज्यादा देश अपने यहां ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। युवा पीढ़ी की सेहत को बचाने के लिए सभी मुल्कों को ऐसे कानून बनाने चाहिए। मालदीव का धूम्रपान पर अंतिम प्रहार दुनिया के लिए सबक है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

बदलाव

महेन्द्र तिवारी

मनरेगा के बाद ग्रामीण रोजगार की नई रूपरेखा

ग्रामीण भारत के विकास की यात्रा में मनरेगा एक ऐतिहासिक पड़ाव रहा है। वर्ष 2005 में जब यह कानून अस्तित्व में आया था, तब देश के ग्रामीण समाज की जरूरतें, चुनौतियां और संरचना आज से बिल्कुल अलग थीं। उस समय व्यापक गरीबी, सीमित आजीविका के साधन और सामाजिक सुरक्षा के अभाव ने सरकार को एक ऐसे अधिकार-आधारित कानून की ओर प्रेरित किया, जो ग्रामीण नागरिक को काम का वैधानिक भरोसा दे सके। दो दशक बाद सरकार अब मनरेगा की जगह विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) या "विकसित भारत जी राम जी" नाम से नए कानून को लाने की तैयारी कर रही है। यह बदलाव केवल योजना का नहीं, बल्कि सोच और नीति के ढांचे का भी संकेत देता है। सरकार का दावा है कि नया कानून मनरेगा की कमजोरियों को दूर करेगा और ग्रामीण भारत को अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर और भविष्य के प्रति सक्षम बनाएगा। 100 दिनों की जगह 125 दिनों की रोजगार गारंटी, साप्ताहिक भुगतान, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नियंत्रण और टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे प्रावधान निस्संदेह आकर्षक लगते हैं। जल संरक्षण, जलवायु अनुकूलन, आजीविका आधारित अवसंरचना और बाजार से जुड़ाव जैसे क्षेत्रों पर जोर यह दर्शाता है कि सरकार अब ग्रामीण रोजगार को केवल राहत के उपाय के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की रणनीति के रूप में देख रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना संग्रह में परिसंपत्तियों का पंजीकरण इस सोच को और स्पष्ट करता है कि गांवों में होने वाला हर कार्य राष्ट्रीय विकास की बड़ी तस्वीर से जुड़ा हो। यह भी सच है कि पिछले वर्षों में ग्रामीण भारत में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। गरीबी दर में गिरावट, डिजिटल भुगतान की व्यापकता, आधार से जुड़ी सेवाएं और ग्रामीण आजीविका के नए अवसरों ने मनरेगा के मूल स्वरूप को कुछ हद तक अप्रासंगिक बना दिया है। मनरेगा के अंतर्गत दुरुपयोग, कागजों पर बने काम, मशीनों का अनुचित इस्तेमाल और फर्जी उपस्थिति जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में सरकार का यह कहना कि एक अधिक अनुशासित, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी ढांचे की जरूरत है, पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। फिर भी, इस नए कानून को लेकर सबसे बड़ा सवाल उसके मूल दर्शन से जुड़ा है। मनरेगा की आत्मा यह थी कि काम मांगने पर काम देना राज्य का कानूनी दायित्व है। यह अधिकार गरीब ग्रामीण नागरिक को प्रशासन के सामने खड़ा होने का नैतिक और कानूनी बल देता था। नए कानून में मांग आधारित व्यवस्था की जगह मानक वित्तपोषण को अपनाने की बात कही गई है, जिसमें राज्यों के लिए बजट की एक तय सीमा होगी। भले ही सरकार यह आश्वासन दे कि रोजगार का अधिकार सुरक्षित रहेगा और समय पर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, लेकिन व्यवहार में यह व्यवस्था अधिकार की धार को कुछ कुंद करती दिखाई देती है। जब संसाधन पहले से सीमित होंगे, तो काम मांगने की स्वतंत्रता स्वतः ही सीमित हो सकती है। कृषि मौसम में 60 दिनों तक सार्वजनिक कार्यों को रोकने का प्रावधान भी दोहरे अर्थ रखता है। एक ओर यह किसानों के हित में बताया जा रहा है, ताकि बुआई और कटाई के समय मजदूरों की कमी न हो और कृषि लागत न बढ़े। दूसरी ओर, यह प्रावधान प्रशासनिक विवेक पर अत्यधिक निर्भर हो सकता है। यदि किसी क्षेत्र में खेती के मौसम के बावजूद बेरोजगारी की स्थिति बनी रहती है, तो मजदूर के पास काम मांगने का विकल्प सीमित हो जाएगा। बिना स्पष्ट दिशा-निर्देश और अपील की व्यवस्था के यह प्रावधान नियंत्रण का औजार भी बन सकता है। राज्यों पर वित्तीय बोझ का प्रश्न भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र और राज्य के बीच 60:40 का वित्तीय अनुपात अपेक्षाकृत सक्षम राज्यों के लिए भले ही व्यावहारिक हो, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि राज्य अपने हिस्से का भुगतान समय पर नहीं कर पाते, तो रोजगार और मजदूरी दोनों प्रभावित होंगी। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि अंतिम जिम्मेदारी किसकी होगी और गरीब नागरिक को अपने अधिकार के लिए किस दरवाजे पर जाना होगा। पारदर्शिता और निगरानी के लिए प्रस्तावित तकनीकी उपाय सैद्धांतिक रूप से मजबूत हैं, लेकिन अधिकार की भावना कमजोर पड़ी और क्रियान्वयन में राज्यों व पंचायतों की भूमिका सीमित हुई, तो यह सुधार के नाम पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच के क्षरण का कारण भी बन सकता है। विकसित भारत की नींव मजबूत तभी होगी, जब विकास के साथ अधिकार और विश्वास भी समान रूप से मजबूत रहें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मृत्युंजय मंत्र यानी मृत्यु पर विजय का मंत्र

संकलित

दर्शन

शिव का मृत्युंजय मंत्र वैदिक परंपरा में सबसे प्रतिष्ठित मंत्रों में से एक है। मृत्युंजय का अर्थ है मृत्यु पर विजय। आत्मा की कोई मृत्यु नहीं है। यह एक शरीर से दूसरे शरीर में जाती है। मृत्युंजय का अर्थ है क्षणभंगुर पर मन की विजय और शाश्वत की ओर बढ़ना। जब मन को यह एहसास होता है कि मैं शाश्वत हूं। मुझमें कुछ ऐसा है जो बदल नहीं रहा है। फिर कोई भय नहीं रहता। भय मृत्यु के लक्षणों में से एक है। जब आप भय पर विजय प्राप्त करेंगे, तब नाशवान के साथ पहचान की लघु मानसिकता पर विजय प्राप्त कर लेंगे और अविनाशी की ओर बढ़ेंगे। हम इन दोनों का मिश्रण हैं। हमारी आत्मा अविनाशी है और शरीर नाशवान है। अक्सर हमारा मन नाशवान से जुड़ा होता है और उसे लगता है कि वह मर रहा है। मृत्युंजय मंत्र हमारे मन को सीमित पहचान से असीमित पहचान की ओर ले जाता है। इसमें एक प्रार्थना है- शिव मुझे सबल बनाएं। उन्हें मुझे दृढ़ बनाने दो, वह मुझे बंधन से मुक्ति दिलाएं। आमतौर पर लोग पूछते हैं कि जीवन का उद्देश्य क्या है? सृजन का उद्देश्य क्या है? यह ब्रह्मांड किसी स्थान पर जाने की यात्रा नहीं है। सृष्टि का कोई उद्देश्य नहीं है। यह मात्र चेतना का एक खेल और प्रदर्शन है। जैसे नर्तक और नृत्य अलग नहीं हो सकते, वैसे ही सृष्टि और रचयिता दो अलग वस्तुएं नहीं हैं। इस सत्य को नटराज (शिव के रूपों में से एक) के रूप में दर्शाया गया था। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या कष्ट नहीं दे रहा है; यह हर क्षण उत्सव मना रहा है।

स्वयं के धर्म की चिंता

संकलित

प्रेरणा

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छु को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया।

आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा हैं अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा हैं और मैं मेरा।

अंतर्मन

आज की पाती

श्रमिकों का बुढ़ापा भी सुरक्षित हो

देश की आर्थिकी को मजबूती प्रदान करने के लिए कृषि के बाद अगर कोई दूसरी चीज है तो वो है उद्योग जगत और उद्योग जगत को कामयाब बनाने में श्रमिकों का भी कोई कम योगदान नहीं होता है। यह अलग बात है कि आज आजाद देश में कुछ लोग श्रमिकों को अपना गुलाम समझते हैं और आज भी श्रमिकों को उनके उतने अधिकार नहीं मिलते जितने मिलने चाहिए। अब मोदी सरकार ने श्रमिकों को अपनी तरफ से राहत देने के लिए इन्हें और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नई श्रम संहिता नीति को हरी झंडी दी है। लेकिन नई श्रम संहिता में सरकार ने श्रमिकों के बुढ़ापे को सुरक्षित करने और आर्थिक मदद के लिए श्रमिकों को उचित पेंशन का प्रावधान क्यों नहीं किया? उनका बुढ़ापा सुरक्षित होना चाहिए।

- प्रखर जोशी, दुर्ग

ट्रेंड

हमारे लिए देश पहले

तमाम विपक्षी दलों को समझना होगा कि एसआईआर विषय केवल चुनाव जीतने और हारने का नहीं बल्कि देश का विषय है। हमारे लिए देश पहले होना चाहिए इसके बाद बाकी विषय होना चाहिए।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

ग्राम-स्वराज का सपना

पीएम मोदी को दो चीजों से पक्की नफरत है महात्मा गांधी के विचारों से और गरीबों के अधिकारों से। मनरेगा, महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के सपने का जीवंत रूप है। मगर, आज मोदी जी मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सरकार मिशन मोड में

27 वर्षों से जिन समस्याओं से दिल्ली जूझ रही थी, उनके स्थायी समाधान में हमारी सरकार पूरी ईमानदारी से जुटी है। नालों की डी-सिल्टिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इस लक्ष्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड में काम कर रही है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मामला

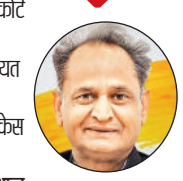

नेशनल हेराल्ड मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला मोदी सरकार के षड्यंत्रों पर करारा तमाचा है। कोर्ट ने ईडी की शिकायत खारिज कर यह साबित कर दिया है कि सोनिया गांधी व राहुल के खिलाफ यह केस राजनीतिक द्वेष से बनाया गया था।

- अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

ट्रंप ने फेंटानिल को 'सामूहिक विनाश का हथियार' बताया

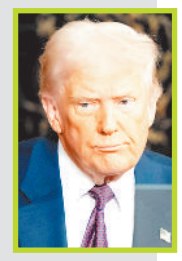

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेंटानिल को 'सामूहिक विनाश का हथियार' करार देने वाले कार्यकारी आदेश पर सोमवार को दस्तखत कर दिए। ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिका का राष्ट्रपति कार्यालय) में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन, व्हाइट हाउस में सीमा से जुड़े मामलों के प्रमुख टॉम होमन और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में इस आदेश पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन 'फेंटानिल को आधिकारिक तौर पर सामूहिक विनाश के हथियार के रूप में वर्गीकृत कर रहा है, जो वास्तव में वही है। कोई भी बम वह काम नहीं कर सकता, जो यह (फेंटानिल) कर रहा है।' हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नये कार्यकारी आदेश के अमल में आने के फेंटानिल की लत के शिकार लोगों और इसकी तस्करी में शामिल अपराधियों के लिए क्या मायने होंगे तथा इससे ट्रंप प्रशासन की नीति में क्या बदलाव आएगा। सामूहिक विनाश के हथियार शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर परमाणु, जैविक, रासायनिक या साइबर खतरों के लिए किया जाता है, जो किसी आबादी, बुनियादी ढांचे या पर्यावरण को भारी एवं स्थायी नुकसान पहुंचाने में सक्षम होते हैं। इराक पर अमेरिका के आक्रमण के बाद वाशिंगटन के सियासी गलियारों में इस शब्द पर जमकर बहस हुई है।

ऑफ बीट

आपकी विशिष्ट गंध बता सकती है क्या बीमारी है

हमारे शरीर से हर सेकंड सैकड़ों रसायन हवा में प्रवाहित होते हैं। ये रसायन हवा में आसानी में घुल जाते हैं क्योंकि इनमें वाष्प का दबाव अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि वे उबल जाते हैं और कमरे के तापमान पर गैस में बदल जाते हैं। वे इस बात का पता देते हैं कि हम कौन हैं और कितने स्वस्थ हैं। प्राचीन यूनानी काल से, हम जानते हैं कि जब हम अस्वस्थ होते हैं तो हमारी गंध अलग-अलग होती है। जबकि आज हम रक्त विश्लेषण पर भरोसा करते हैं, प्राचीन यूनानी चिकित्सक बीमारियों के निदान के लिए गंध का उपयोग करते थे। आपकी सांस का एक झोंका लेकर वह बता सकते थे कि आपको फेटोर हेपेटिकस (मतलब खराब लीवर) है, तो इसका मतलब होता था कि आप लीवर की बीमारी की ओर बढ़ सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति की सांस की हवा में मीठापन या फलों की गंध होती थी, तो चिकित्सकों का निष्कर्ष होता था कि पाचन तंत्र में शर्करा टूट नहीं रही है, और उस व्यक्ति को संभवतः मधुमेह है। विज्ञान ने तब से दिखाया है कि प्राचीन यूनानी सही थे - जिगर की विफलता और मधुमेह तथा संक्रामक रोगों सहित कई अन्य बीमारियाँ आपकी सांसों को एक विशिष्ट गंध देती हैं। 1971 में, नोबेल पुरस्कार विजेता रसायनज्ञ लिनुस पॉलिंग ने सांस में 250 विभिन्न गैसीय रसायनों की गिनती की।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर

बुधवार, 17 दिसंबर 2025

पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी

वर्ष : 25, अंक : 264

पृष्ठ : 10+6= 16 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 27.6

न्यून. 12.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

5 आईपीएल ऑक्शनः ग्रीन पर 25.2 करोड़ ...

विचार पेज

नशे के खिलाफ मालदीव मॉडल जरूरी

सौम्या पर अब शराब घोटाले में ईडी का फंदा, पूछताछ के बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने सौम्या को पूछताछ के लिए सुबह ईडी दफ्तर बुलाया था। दिनभर पूछताछ के बाद शाम को उन्हें गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ईडी बुधवार को सौम्या को कोर्ट में पेश करेगी। सूत्रों के अनुसार कोयला घोटाला मामले में कोर्ट से जमानत मिलने के बाद सौम्या चौरसिया बेंगलुरु में रह रही थी। ईडी ने प्रदेश में हुए 3200 करोड़ रुपए से अधिक के शराब घोटाला मामले में पूछताछ करने के लिए उन्हें समन भेजकर रायपुर कार्यालय में बुलाया था। सौम्या ईडी का समन पाकर सुबह ईडी कार्यालय पहुंची, जहां उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई। इस पूछताछ के बाद ईडी ने सौम्या को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी को शराब घोटाला में सौम्या के शामिल होने के कई ठोस सबूत मिले हैं। इन सबूतों एवं सौम्या से की गई पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है। सूत्र के अनुसार ईडी सौम्या को बुधवार को विशेष कोर्ट में पेश करेगी।

बेंगलुरु में रह रही थी, कोल घोटाले में जमानत पर थी सौम्या, आज किया जाएगा कोर्ट में पेश

खास खबर

3200 करोड़ का शराब घोटाला

उल्लेखनीय है कि शराब घोटाला मामले में ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले का आरोप है। ईडी ने अपनी जांच में यह भी पाया है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया था। ⏭शेष पेज 4 पर

ऐसे हुआ था घोटाला

छत्तीसगढ़ में तत्कालीन कांग्रेस के शासनकाल में शराब घोटाला हुआ है। शराब घोटाला के लिए शराब नीति को बदलकर करीबी सप्लायरों के माध्यम से शराब घोटाला किया गया था। शराब की नई नीति में लाइसेंस की शर्तें ऐसी रखी गई थी जिससे मनपसंद कम्पनियों को ही काम मिल सके। उन कंपनियों ने नकली होलोग्राम और सील बनवाई। यह काम नोएडा की एक कंपनी ने किया। इसके बाद नकली होलोग्राम लगी शराब की महंगी बोतलें सरकारी दुकानों के माध्यम से बिक्री करवाई गई। इस तरह बिना एक्साइज टैक्स दिए शराब की बिक्री होती रही, जिससे शासन को टैक्स के रूप में करोड़ों का नुकसान हुआ। इस घोटाला की रकम को मंत्री, अधिकारियों से लेकर सिंडीकेट में शामिल कंपनी सहित अन्य लोगों को बंटवाई गई।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर सुबह-सुबह हुआ वीभत्स हादसा, पॉलिथीन में ले जाए गए शवों के टुकड़े

कोहरे का कोहराम, कई वाहन भिड़े, सात बसों व दो कारों में लगी आग, 13 जिंदा जले, 35 से ज्यादा झुलसे

एजेंसी ⏭ मथुरा

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सात बस व तीन गाड़ियों के आपस में टकराने के बाद कई वाहनों में लगी आग में झुलसने से 13 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य लोग घायल भी हुए है। आगरा से नोएडा की ओर जा रही लेन में घने कोहरे और तेज रफ्तार के चलते कई वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते सात बसों और दो कारों में आग लग गई। हादसा इतना भीषण था कि ⏭शेष पेज 4 पर

हादसे के शिकार लोगों के परिजनों को मुआवजा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का भी निर्देश दिया है। सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि घायलों का तत्काल, समुचित एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

7 बसें और 2 कारें जलकर खाक

हादसे में शामिल सात बसें और दो कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकल विभाग को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

मृतकों और घायलों की स्थिति

जिला प्रशासन के अनुसार, अब तक तीन मृतकों की पहचान हो चुकी है। इनमें प्रयागराज निवासी आजिलेंद्र प्रताप यादव और आजमगढ़ निवासी रामपाल शामिल हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि 20 से अधिक एंबुलेंस के जरिए घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने भी 13 मौतों की पुष्टि की है।

एक के बाद एक वाहनों में लगी आग

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तड़के कोहरा अधिक होने से दृश्यता लगभग शून्य थी। तभी 8 बस और 3 कार आपस में टकराते चले गए। टक्कर के बाद वाहनों में तुरंत आग लग गई, जिससे कई यात्रियों और कार सवारों को खुद को बचाने और प्रतिक्रिया करने का मौका नहीं मिला। आग एक के बाद एक वाहनों में फैलती चली गई।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल को राहत

कोर्ट ने कहा- यह एक निजी शिकायत पर आधारित, एफआईआर पर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी को राहत मिली है। दिल्ली की एक कोर्ट ने मंगलवार को सोनिया और राहुल के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले का संज्ञान लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि यह मामला एक निजी शिकायत पर आधारित है न कि किसी एफआईआर पर। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर की गई शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। ईडी ने कहा है कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। कोर्ट द्वारा दिए इस फैसले के बाद कांग्रेस ने इसे सत्य की जीत बताया है।

एफआईआर के बिना मामला सुनवाई योग्य नहीं : कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि यह मामला एक निजी शिकायत पर आधारित है न कि किसी एफआईआर पर। कोर्ट ने कहा कि धारा 3 के तहत परिभाषित और धारा 4 के तहत दंडनीय धनशोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोग शिकायत एफआईआर या अधिनियम की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के अभाव में सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए गांधी परिवार के खिलाफ ईडी के शिकायत पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया है।

एफआईआर की कॉपी देने का आदेश रद्द

इसी मामले में, राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की एक दलील स्वीकार करते हुए राहुल और सोनिया को एफआईआर की कॉपी देने का मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश रद्द कर दिया। दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि आरोपी एफआईआर की कॉपी पाने के हकदार नहीं हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को सिर्फ एफआईआर दर्ज होने की जानकारी दी जा सकती है।

खबर संक्षेप

धुंध ने फिर रोकी दिल्ली हवाई अड्डे से 126 उड़ानें

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के एक अधिकारी ने बताया कि खराब दृश्यता के कारण अब तक 49 प्रस्थान और 77 आगमन उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।
इसी बीच, संकटग्रस्त इंडिगो ने कहा कि उसने अपने नेटवर्क की 110 उड़ानें रद्द कर दी हैं। इंडिगो ने कहा, /"हमारी टीम पूरी तरह से तैयार हैं और मौसम की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं।

महिला ने 8 साल की बेटी को चौथी मंजिल से फेंका

हैदराबाद। हैदराबाद में 37 वर्षीय एक महिला ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ कथित तौर पर झगड़े के बाद अपनी आठ वर्षीय बेटी को एक आवासीय इमारत की चौथी मंजिल से फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी।
मलकाजगिरि पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निजी कर्मचारी के रूप में काम करने वाली महिला रविवार रात से अपने परिवार के सदस्यों के साथ हुए झगड़ों के बाद ''मानसिक रूप से परेशान'' थी। उसने सोमवार को अपनी बेटी को इमारत की चौथी मंजिल पर ले जाकर नीचे फेंक दिया।

25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया नायब तहसीलदार का बाबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर/सोनगरा

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नायब तहसील के बाबू को 25 हजार रुपए की रिश्वत के साथ पकड़ा है। बाबू ने ग्रामीण के क्षतिग्रस्त हुए मकान के मुआवजा प्रकरण के एवज 40 हजार की मांग की थी और 15 हजार रुपए रिश्वत ले भी ली थी। बताया जा रहा है कि प्रतापपुर विकासखंड ⏭शेष पेज 4 पर

■ मकान क्षतिपूर्ति मुआवजा जारी करने के नाम पर मांगे थे 40 हजार, पूर्व में ले चुका था 15 हजार

मृत्य को बाबू बनाकर बैठाया गया

इस मामले में जो सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात सामने आई है उसके मुताबिक रिश्वतखोर बाबू लोखन राम सोरी का मूल पद मृत्य है और वह शासकीय उमावि जरहीं का कर्मचारी है। पिछले तीन वर्षों से सांठगांठ ⏭शेष पेज 4 पर

वेदांती महाराज को दी जल समाधि

अयोध्या। राम मंदिर आंदोलन के वरिष्ठ संत डॉ. रामविलास दास वेदांती के निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर एमपी से उनके आवास 'हिंदू धाम' लाया गया, जहां संत-समाज, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। संत वेदांती की अंतिम यात्रा में लोग जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने अपने प्रिय संत को अंतिम विदाई दी। राम धुन और "जय श्रीराम" के उद्घोष के बीच वातावरण भावुक हो उठा। अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और अयोध्या से पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार सुबह निधन हुआ था। उन्होंने मध्य प्रदेश में अंतिम सांस ली। वे 75 वर्ष के थे।

■ रीवा में चल रही थी रामकथा, बिगड़ी तबीयत

उधमपुर में तलाशी अभियान

सेना और आतंकियों में मुठभेड़, 1 जवान शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार रात को सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है, जो मंगलवार सुबह तक जारी रही। मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस के कांस्टेबल अमजद अली खान शहीद हो गए हैं। आतंकियों के साथ अब भी मजालता इलाके के सोहन में मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस के काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने कश्मीर डिवीजन में कई जगहों में तलाशी ली है। इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

मजालता में सेना ने घेर रखा है आतंकियों को

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर्प्स ने एक्स पर बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने जवानों ने सोहन इलाके में आतंकियों को घेर लिया था, जिसके बाद उन्हें आत्मसमर्पण करने कहा लेकिन आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें एक जवान शहीद हो गया।

अम्बिकापुर-बनारस स्टेट हाइवे से 1 किमी दूर है घटनास्थल, स्नीफर डॉग ने ग्राम घोंघा, परसडीहा तक लगाई दौड़

पीएम में हाई वोल्टेज करंट से बाघ की मौत होने की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत वन परिक्षेत्र घुई के घोंघा जंगल में बाघ की मौत करंट से होने की पुष्टि हुई है। प्राथमिक जांच में ग्राम घोंघा के कुछ ग्रामीणों द्वारा अवैध शिकार के लिए करंट की बाड़ लगाने की संभावना पर अधिकारी कुछ संदेहियों से पूछताछ कर रहे हैं। अधिकारी बाघ की हत्या करने के मामले में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिलने एवं तीन-चार दिनों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कह रहे हैं। सोमवार को देर शाम गुरू घासीदास नेशनल पार्क की टीम स्नीफर डॉग लेकर ग्राम घोंघा से सटे जंगल स्थित घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान अंधेरा होने के कारण जांच में स्नीफर डॉग का उपयोग नहीं किया गया। विभाग ने मृत ⏭शेष पेज 4 पर

करंट से मौत होने की पुष्टि

पीएम में करंट से बाघ की मौत होने की पुष्टि हुई है। बाघ के 8 नाखून एवं चार दांत गायब हैं। आरोपियों के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। -दुलेश्वर साहू,डीएफओ, सूरजपुर

8 नाखून एवं चार दांत गायब

पीएम के दौरान विशेषज्ञ पशुचिकित्सकों ने बाघ की मौत हाई वोल्टेज करंट से होने की पुष्टि की है। शिकार के लिए हुकिंग में बाइक के क्लच वायर का उपयोग करने की संभावना जताई जा रही है। तेज करंट लगने से बाघ के पीठ एवं पुट्ठे के पास करंट से जलने के गहरे निशान हैं तथा पुट्ठे से लेकर करंट से गर्दन तक का हिस्सा झुलस गया है। बाघ का शरीर अकड़ गया था तथा उसका मुंह खुला था। उसका पेट फूला हुआ था तथा मल निकल गया था। बाघ के आगे के दोनों पैर के चार-चार नाखून एवं शिकार में मुख्य भूमिका निभाने वाले केनाइन के चार दांत गायब हैं। आगे के दोनों पंजों में एक-एक नाखून मिले हैं। चिकित्सकों ने बाघ का नाखून व दांत निकालने के लिए बर्बरता पूर्वक घातक हथियार का उपयोग करने की संभावना व्यक्त की है। बाघ के नाखून एवं दांतों की अंतराष्ट्रीय बाजार में ऊंची कीमत मिलती है इस बात की जानकारी शिकारियों को भलीभांति होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जंगली जानवरों की संदिग्ध मौत अवैध शिकार पर हाईकोर्ट गंभीर

छत्तीसगढ़ में हो रही जंगली जानवरों की संदिग्ध मौत और अवैध शिकार की आशंका से जुड़े मामलों को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्त गुरु की डिवीजन बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की और राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह मुख्य वन्यजीव वार्डन को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि

प्रदेश में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर 2025 को निर्धारित की गई है। अदालत ने यह स्वतः संज्ञान मीडिया में लगातार आ रही ⏭शेष पेज 4 पर

लोक चेतना के विकास में पंथी गीतों की भूमिका

लोकगीत

डा. जे. आर. सोनी

लोक चेतना के विकास में लोक गीतों की अहम भूमिका रही है। पंथी गीत लोक गीत है तथा लोक चेतना के उन्नयन में इसकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण और संवर्धन में पंथी गीत नृत्य, एक विशिष्ट पहचान बनाई है। पंथी गीत नृत्य आज देश विदेश में प्रख्यात हो चुका है। पंथी गीतों में निहित सत्य सत्व का वर्तमान संदर्भ में बहुत अधिक महत्व है। सत्य ईश्वर है। कथन लौकिक जगत की अंधी आंखों से देखी गई मोहजनित कल्पनाओं को दूर करने की प्रेरणा देता है। सतनाम का जो स्वरूप पंथी गीतों में प्रतिपादित किया गया है, वह मानव प्रवृति को सत्य वचन , सत्य कर्म एवं सत्य जीवन की ओर उन्मुख होने का संदेश होता है। हमारी संस्कृति में नैतिक बल को अधिक शक्तिशाली माना गया है। भौतिक संसाधनों से लैस अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करने गांधीजी ने सत्याग्रह में इन्हीं तत्वों को स्थान दिया था। इस आशय का संदेश पंथी गीतों में मिलता है। यह लोक चेतना की भावना को प्रबल बनाती है। पंथी गीतों में व्यक्त जाति संबंधी विचार प्रगतिशील विचारों के जन्म से पूर्व ही अस्तित्व में आ चुके थे। उनके वर्ग विहीन समाज की कल्पना साम्यवादी विचार का ही एक रूप है, जो लोकभावना की सहज समूल चेतना का प्रतिफल है। गीतों की समतावादी दृष्टि मनुष्य - मनुष्य को समान बतलाना चाहती है। पंथी गीतों से उत्पन्न लोक चेतना वर्ण और जाति व्यवस्था को नकारती है।

लोक साहित्य

डा. अनसूया अग्रवाल

छत्तीसगढ़ी बाल साहित्य में चुनौतियां

छत्तीसगढ़ी बाल रचनाओं में इस क्षेत्र की नैसर्गिक और प्राकृतिक सुषमा भी अपने संपूर्ण वैभव के साथ उपस्थित है। यहां के लोगों के अपराजेय संघर्ष के रेखांकन का यथार्थ प्रयास भी बालमन के अनुरूप है। वनांचल क्षेत्र होने के कारण यहां के बच्चे पशु पक्षी के साथ काफी निकटता महसूस करते हैं। अतः रचनाओं में इनके प्रति बालमन के भाव भी स्पष्ट दिखाई देती है। रचनाएं रोचक वैविध्यपूर्ण एवं सहज ही संप्रेष्य है। निश्चित ही प्रत्यक्ष रुप से उपदेश देने के बजाय आदर्श पात्रों के स्वाभाविक क्रियाकलापों को प्रस्तुत कर बच्चों को संस्कारिक कर पाना अपेक्षाकृत अधिक आसान और सही है, जैसे पूर्व काल में हितोपदेश, पंचतंत्र आदि कहानियों के माध्यम से सीख दी जाती रही है। इसमें संदेह नहीं कि छत्तीसगढ़ी बाल साहित्यकार बच्चों के मन में निकट जाकर कम शब्दों में अधिक गंभीर, सार्थक और महत्वपूर्ण कहने का प्रयास कर रहे हैं।

पुरातात्विक

ढालसिंह देवांगन

तीतरदेव का ताम्र पत्र पर उल्लेखित लेख

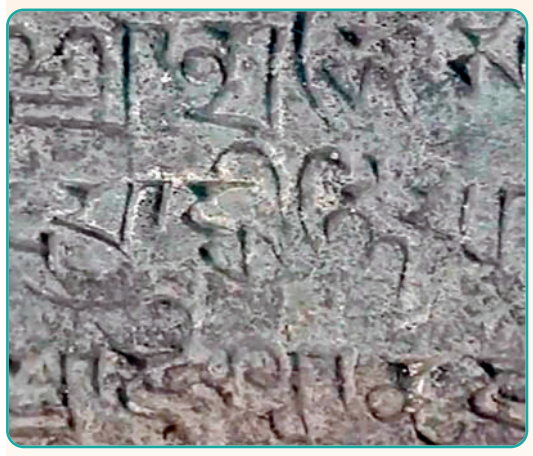

राजिम के तत्कालीन मालगुजार हनुमंतराव महाडिक को राजीव लोचन मंदिर के समीप खुदाई पर 1785 ई. लिखा ताम्र पत्र 5 - 6 फुट नीचे प्राप्त हुआ। 1825 में भी ताम्र पत्र प्राप्त हुए, जिसमें तीन पत्ते हैं। प्रत्येक पत्ते की लंबाई 9₹ तथा चौड़ाई 5₹ का है। तीनों पत्र एक राजमुद्रा युक्त छल्ले से नत्थी है। इस पत्र का वजन लगभग 22 किलो ग्राम है। प्रारंभिक श्लोक में ही राजा का नाम श्रीमतीवरदेव दिया हुआ है। इसके बाद की पंक्ति में श्रीपुर का नामोलेख है, जहां से ताम्र पत्र प्रसारित किया गया था। बाद में पन्द्रह पंक्तियों में तीवरदेव की राजनीतिक दृढ़ता, अनुलंघनीय शासन व्यवस्था तथा उसके व्यक्तिगत गुणों एवं योग्यताओं का अत्यंत आलंकारिक ढंग से वर्णन किया गया है। 16 वीं और 17 वीं पंक्ति में इनके पिता का नाम नंददेव एवं पितामह का नाम इंद्रबल लिखा हुआ है। 18 वीं पंक्ति में राजा को परम वैष्णव कहा गया है। इसके बाद की पंक्तियों में राजा के ब्राह्मण के दो पुत्रों भवदत्त और हरदत्त को माता पिता और स्वयं के पुण्यों की वृद्धि के लिए ग्राम के दान देने का उल्लेख मिलता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

वेशभूषा

डा नीलकंठ देवांगन

छत्तीसगढ़ी पुरखौती सिंगार हमर संस्कृति में

गहना शरीर के सुंदरता बढ़ाथे। अलग अलग अंग के अलग अलग बनावट अउ आकार प्रकार के आकर्षक गहना होथे । ये गहना जेन ल जेवर, लोक आभूषन किथें, महिला मन के सिंगार आय । आदिवासी अंचल मं खास प्रचलन हे । ये चांदी, सोना, पीतल, कांसा तांबा, गिलट के बनाय जाथे । सुनार, मलार, पटवा, पड़वा इंखर शिल्पी होथें । ये पूरखौती पारंपरिक गहना केवल सिंगार सजावट भर के वस्तु नोहैं, इंखर सांस्कृतिक सामाजिक आर्थिक महत्व हे । ये हमर राज्य के संस्कृति अउ परंपरा के पहिचान हें, पुरखौती विरासत हें । परब तिहार, खास मौका, सांस्कृतिक आयोजन मं ज्यादातर पहने जाथे । ये स्वास्थ्य बर घलो अच्छा होथे । अंग विशेष के संपर्क स्पर्श मं रहिथें, खून के दौरा बने रथे, स्वास्थ्य ठीक रिथे । अलग अलग अंग के अलग अलग गहना -

गला - रुपिया, सुर्रा, मोहर, पुतरी, सूंता, गहूंदाना, ताबीज, ढोलकी, औरीदाना, हमेल, बेला, हंसली, कंठी, माला, संकरी

पांव - गोड़ चूरा, टोंड़ा , कांटादार टोंड़ा, लच्छा, छुट्टा लच्छा, पैरी, सांटी, पैरपट्टी, पायजन, बिछिया

हाथ कलाई बाजू उंगली - चूड़ी, कड़ा, बहुंची, बनुरिया, पाली, कंगना, हरैया, ककनी, ऐंठी, तीन भंजन ऐंठी, पटा , ढरकौवा, पोड़ी ढरकौवा, तोड़िया, पोटली, बहुंटा, नागमोरी, हाथचूरा, बाजूबंद, मुंदरी

नाक - नथ, नथनी, फुल्ली,

कान - खिनवा, ढार, तितरी, खूंटी, बारी, लुरकी, झुमका, तरकी, लटकन, कानफूल

कमर - करधन, कमरबंद

सिर माथा बाल - फुलझरिया, झाबुली, झाबा, क्लीप, मंगटीया, बिंदिया, टिकली

पुरुष मन घलो गहना पहिनथें । गला मं कंठी माला, बांह मं बाजूबंद, कलाई मं चांदी के मोटा कड़ा ।

पर्यटन : तपेश जैन

गिरौधपुरी पहाड़ियों में पंचकुण्डी स्थल

गिरौदपुरी बिलासपुर से 80 कि मी तथा शिवरीनारायण से मात्र 15 कि मी दूरी पर सुरम्य अरण्य के मध्य सतनाम धर्म का तीर्थ स्थली है। यहां की पहाड़ियां किसी चमत्कार से कम नहीं है। इसी क्रम में गिरौदपुरी से पूर्व दिशा में लगभग एक किमी की दूरी पर दो पहाड़ियों के मध्य नीचे के स्थान के कुंड को अमृत कुंड कहा जाता है। इस अमृत कुंड के जल को बरसों रखने पर भी यह जल खराब नहीं होता, इस कारण ही इसे अमृत कुंड कहा जाता है।

सुरता

विजय शर्मा

उपलब्धियों से भरा रहा ठाकुर उमराव सिंह का कार्यकाल

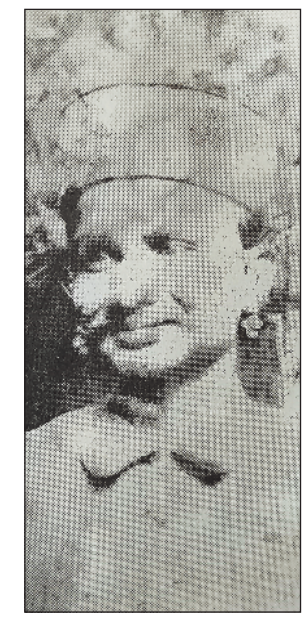

धर्मपरायण व प्रजावत्सल ठाकुर उमराव सिंह 12 वर्ष की उम्र में सुअरमार की जमींदारी संभाली। आपका कार्यकाल 1821 से 1911तक रहा। अपने पिता की तरह उन्होंने वैज्ञानिक सोच के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। अनेक मंदिर, ग्रन्थालय, अतिथि गृह का निर्माण आपके शासन काल में हुआ। तालाब निर्माण और मरम्मत का कार्य कर कृषि उत्पादन बढ़ाया गया। आपके कार्यकाल को स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाता है। न्याय व्यवस्था भी काफी चुस्त आपके शासन में रही। ब्रिटिश शासन का संरक्षण आपको प्राप्त था। आपके कार्यकाल में हाथी का उपयोग होने लगा। जीवन के हर क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का अविष्कार भी आपके कार्यकाल में देखा गया। आपको खास दरबारी एवं खास मुलाकाती हानर्री मजिस्ट्रेट का सनद प्राप्त था। आपकी मृत्यु के बाद समाधि राजा बंधा (नीलकमल) पर बनी, जहां परंपरानुसार शिवलिंग स्थापित है।

संस्कृतिः श्रीमती आशा ध्रुव

आदिवासी विवाह के दौरान डुमर का महत्व

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में खास कर प्रकृति पूजन को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी संदर्भ में यही डुमर के पेड़ को देखें तो देव तुल्य पूजन कर उपयोग किया जाता है। आदिवासी डुमर पेड़ में दुल्हा और दुल्हिन देव का वास मानते हैं। यह आदिवासी कोयतुर समाज के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कहा जाता है कि इस पेड़ में बूढ़ा देव और बूढ़ी माई का निवास होता है। वैवाहिक रस्म में इस पेड़ की डालियों का विशेष महत्व होता है। इसे समाज में आराध्य देव के रूप में जाना जाता है। डुमर की कच्ची लकड़ी से विवाह मंडप के लिए मगरोहन बनाया जाता है। हल्दी चढ़ाना और उतारना मगरोहन पर पहले किया जाता है। इसके बाद दुल्हा दुल्हन को लगाया जाता है। यह विवाह संस्कार का महत्वपूर्ण अंग होता है। इसके पत्तों से मंडप छाया जाता है। इस पेड़ की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वर्ष भर हरा भरा रहता है। यह गृहस्थों के लिए वरदानी वृक्ष है।

पुलिस बोली- साजिद का भारत से कोई सीधा संबंध नहीं

तेलंगाना का रहने वाला था ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच का हमलावर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तेलंगाना पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के मामले में अहम जानकारी साझा की है। पुलिस के मुताबिक इस घटना का संदिग्ध साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला है, लेकिन वह करीब 27 साल पहले ऑस्ट्रेलिया चला गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साजिद अकरम का हैदराबाद में अपने परिवार से बहुत सीमित संपर्क रहा है। लंबे समय से वह भारत में अपने रिश्तेदारों के संपर्क में नहीं था और उसका जीवन पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया में ही केंद्रित था।

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए हमले से इस्लामिक स्टेट के तार जुड़ने की बात सामने आई है। इसी बीच, एक और चौंकाने वाला दावा सामने आया है। फिलीपींस ने दावा किया है कि पाकिस्तानी मूल के पिता-पुत्र भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट का इस्तेमाल कर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे और सिडनी में खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस आतंकी हमले के आरोपी बाप-बेटे (24 साल का नवीद अकरम और उसके 50 साल के पिता साजिद) ने कुछ हफ्ते फिलीपींस की यात्रा की थी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि दोनों का वहां जाने का मकसद क्या था, किन स्थानों पर ठहरे और किन लोगों से उन्होंने संपर्क किया। रॉयटर्स ने ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमलावर साजिद ने भारत और नवीद ने ऑस्ट्रेलिया के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में घायल 40 लोगों में तीन भारतीय छात्र भी शामिल हैं। यह जानकारी मंगलवार को आई एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई। ऑस्ट्रेलिया टुडे न्यूज पोर्टल के अनुसार, इन तीन में से दो छात्रों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रविवार को हुए हमले में घायल भारतीय छात्रों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। बताया गया है कि गोलीबारी के दौरान भारतीय छात्रों को चोटें आईं। लेकिन उनकी हालत को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिलीपींस का दावा

हमलावर ने किया भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल

इस हमले में घायल 40 लोगों में तीन भारतीय छात्र भी हैं शामिल

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ साझा की गई जानकारी

तेलंगाना पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि साजिद अकरम या उसके बेटे नवीद अकरम के कट्टरपंथी बनने के पीछे जो कारण रहे, उनका भारत या तेलंगाना में किसी स्थानीय प्रभाव से कोई संबंध नहीं है। पुलिस का कहना है कि इस प्रक्रिया में किसी भारतीय संगठन, व्यक्ति या नेटवर्क की भूमिका नहीं पाई गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ साझा की जा रही है, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ सके। साथ ही यह भी दोहराया गया कि भारत में इस घटना से जुड़ा कोई प्रत्यक्ष लिंक अब तक सामने नहीं आया है। तेलंगाना डीजीपी कार्यालय ने एक बयान में कहा गया है कि साजिद अकरम ने हैदराबाद से बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की और नवंबर 1998 में रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चला गया।

आईएस से प्रेरित था हमला- पीएम अल्बनीज

सिडनी के बॉन्डी बीच पर सामूहिक गोलीबारी में 15 लोगों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। उन्होंने इस हमले को 'सुनियोजित, योजनाबद्ध और बेहद बर्बर' बताया। अल्बनीज ने कहा कि अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि दो हमलावरों (जो पिता और बेटे की जोड़ी थे) ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया।

खबर संक्षेप

ममता को झटका, राज्यपाल ही होगा बंगाल में चांसलर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले

यूनिवर्सिटीज के प्रशासनिक बदलाव को लेकर विवाद और गहरा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन संशोधन विधेयकों को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है, जिनके तहत राज्य के यूनिवर्सिटीज में चांसलर के पद पर राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को नियुक्त करने का प्रावधान किया गया था। इस फैसले के साथ ही यह तय हो गया कि मौजूदा व्यवस्था बरकरार रहेगी और वर्तमान राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ही यूनिवर्सिटीज के चांसलर बने रहेंगे।

चीन ने समुद्र के पानी से बनाया भविष्य का पेट्रोल

बीजिंग। चीन ने समुद्र के पानी से भविष्य का ईंधन बना कर वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों दोनों को चौंका दिया है। दरअसल चीन ने शानडोंग प्रांत में एक ऐसी फैक्ट्री शुरू की है, जो समुद्र के पानी से भविष्य का पेट्रोल यानी कि 'ग्रीन हाइड्रोजन' तैयार करती है। बस इतनी ही नहीं यह फैक्ट्री समुद्र के पानी को ग्रीन ईंधन के साथ-साथ साफ पीने के पानी में भी बदल रही है। चीन का यह अजूबा दुनिया की दो बड़ी समस्याओं, पीने के पानी की कमी और पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधनों का पर्यावरण पर बढ़ते बोझ को एक साथ हल कर देता है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इसकी लागत सिर्फ 2 युआन यानी करीब 24 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर है। दुनिया में अपनी तरह की पहली यह फैक्ट्री चीन के रिजाओ शहर में बनी है। इस फैक्ट्री में समुद्र के पानी को पीने लायक अल्ट्रा-प्योर पानी और ग्रीन हाइड्रोजन में बदला जाता है।

शिक्षामंत्री ने कहा- विश्वविद्यालयों में कई स्तरों की मंजूरी प्रक्रिया खत्म करना उद्देश्य

यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई होंगे समाप्त विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल पेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल 2025: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' पेश किया। यह विधेयक देश की उच्च शिक्षा नियामक व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाने और विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों पर मौजूद कई स्तरों की मंजूरी प्रक्रिया को खत्म करने के उद्देश्य से लाया गया है। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की मूल भावना पर आधारित है, जिसमें उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, अकादमिक स्वायत्तता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। यह विधेयक संविधान की सातवीं अनुसूची की संघ सूची के एंट्री 66 के अंतर्गत लाया गया है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में मानकों के निर्धारण और समन्वय से संबंधित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर 2025 को इस विधेयक को मंजूरी दी थी, जिसके बाद इसे संसद में पेश किया गया।

उच्च शिक्षा नियामक व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव का दावा

आईआईटी, आईआईएम की स्वायत्ता रहेगी बरकरार

उच्च शिक्षा के लिए एकल शीर्ष संस्था

विधेयक के तहत एक नई शीर्ष संस्था 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' की स्थापना का प्रस्ताव है। इसके अंतर्गत तीन अलग-अलग परिषदें काम करेंगी, जो इस प्रकार हैं। विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद – नियामक परिषद, विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद – प्रत्यायन परिषद, विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद – मानक निर्धारण परिषद।

यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई कानून होंगे निरस्त

यदि यह विधेयक कानून बनता है तो, यूजीसी एक्ट, 1956, एआईसीटीई एक्ट, 1987, एनसीटीई एक्ट, 1993 को निरस्त कर दिया जाएगा। इन संस्थाओं के अंतर्गत आने वाले सभी उच्च शिक्षण संस्थान अब विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान के दायरे में आएंगे।

इनकी स्वायत्ता रहेगी बरकरार

हालांकि, काउंसिल ऑफ ऑर्किट्रेक्चर (सीओए) एक पेशेवर मानक निर्धारण संस्था के रूप में कार्य करती रहेगी। वहीं, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम आदि) की स्वायत्तता पहले की तरह बरकरार रहेगी।

डिजिटल पोर्टल से होगी निगरानी

नियामक परिषद एक सार्वजनिक डिजिटल पोर्टल संचालित करेगी, जहां एचईआईएस को प्रशासन, वित्तीय स्थिति, ऑडिट, इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, शैक्षणिक परिणाम से जुड़ी जानकारी साझा करनी होगी। यही डेटा प्रत्यायन का आधार बनेगा। विधेयक में मानक निर्धारण, नियमन, प्रत्यायन को पूरी तरह अलग-अलग परिषदों को सौंपा गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

छात्र-केंद्रित सुधार है यह : प्रधान ने कहा, यह विधेयक छात्रों और युवाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। फिलहाल विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को कई नियामक संस्थाओं से अलग-अलग मंजूरी लेनी पड़ती है, जिससे बार-बार निरीक्षण और अत्यधिक नियंत्रण की स्थिति बनती है। नया कानून, फेसलेस, टेक्नोलॉजी आधारित और सिंगल-विंडो सिस्टम पर काम करेगा, जो पब्लिक सेल्फ-डिस्क्लोजर और ट्रस्ट-बेस्ड रेगुलेशन पर आधारित होगा।

ओलंपिक गेम्स के लिए मेजबानी की दावेदारी पेश करेगा भारत

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि ओलंपिक गेम्स के लिए भारत मेजबानी की दावेदारी पेश करेगा। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार यूथ समर ओलंपिक 2029 और समर ओलंपिक 2036 की मेजबानी करना चाहती है। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स भी भारत करवाने जा रहा है। खेल मंत्री ने दावा किया है कि 2047 तक दुनिया के पहले 5 मेडल विनर में भारत का नाम होगा। ठाकुर ने कहा कि 2036 ओलंपिक गेम्स की मेजबानी का मौका भारत को मिले, इसके लिए कड़ी कोशिश करनी होगी। अगर ऐसा होता है तो खिलाड़ियों का और भी मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि 2014 से 2025 तक भारत में युवाओं के लिए बड़े कदम उठाए गए। पीएम मोदी ने पहले दिन से कहा कि वो खिलाड़ियों और खेल के साथ कुछ नहीं होने देंगे।

एसआईटी जांच करेगी, स्टेडियम सीईओ को हटाया

मेसी विवाद, बंगाल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर बिस्वास का इस्तीफा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने इस्तीफा दे दिया है। 13 दिसंबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉलर लियोनल मेसी के कार्यक्रम में हुई तोड़फोड़ और अव्यवस्था की घटना के बाद उन्होंने सीएम ममता को इस्तीफे की पेशकश की थी। जो मंगलवार को स्वीकार हुआ। नया खेल मंत्री बनाए जाने तक ममता खुद ये पद संभालेंगी। टीएमसी सांसद कुनाल घोष ने फेसबुक पोस्ट में जानकारी दी कि अरूप बिस्वास ने सीएम बनर्जी को पत्र लिखकर उन्हें खेल मंत्री के दायित्व से मुक्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने इस्तीफे की एक कॉपी भी अपनी पोस्ट में शेयर की थी। हालांकि वो आधिकारिक लेटरहेड नहीं थी।

ममता का सख्त एक्शन : इधर, स्टेडियम की घटना पर सीएम ममता ने सख्त एक्शन लिया है। बिधाननगर पुलिस कमिश्नर, डीजीपी और खेल विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिन्हा को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है।

मामले की जांच के लिए 4 सदस्यीय एसआईटी गठिक की गई है। एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारी तय होगी। सॉल्ट लेक स्टेडियम (वीवायबीके) के सीईओ डी.के. नंदन की सेवाएं तत्काल प्रभाव से वापस ली गई हैं। दरअसल, अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 3 दिन के इंडिया टूर पर आए थे। 13 दिसंबर की देर रात करीब 2.30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे थे। सुबह 11 बजे मेसी ने कोलकाता में अपने 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्हें सॉल्ट लेक स्टेडियम में करीब 1 घंटा रुकना था, लेकिन वे 22 मिनट बाद ही वहां से निकल गए थे। इससे गुस्साए फैंस ने स्टेडियम में कुर्सियां फेंककर तोड़फोड़ की थी।

बिलों के हिंदी शब्द गैर-हिंदी भाषियों का अपमान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सरकार की तरफ से संसद में पेश होने वाले बिलों के टाइटल में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल की बढ़ती प्रथा की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों का अपमान है। दंबरम ने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे बिल/एक्ट को नहीं पहचान सकते जिनके टाइटल अंग्रेजी अक्षरों में लिखे हिंदी शब्दों में हों।

विपक्ष ने उठाए सवाल, किया प्रदर्शन

मनरेगा को लेकर संसद के भीतर-बाहर संग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संसद के भीतर और बाहर मंगलवार को बापू के नाम पर दंगल मचा। दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 साल पुराने रोजगार गारंटी के मनरेगा कानून की जगह नया कानून लाने की तैयारी की है। विकसित भारत-रोजगार गारंटी आजीविका मिशन ग्रामीण, यानी 'वीबी-जी-राम-जी' कानून। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में ये बिल पेश किया तो हंगामा हो गया। प्रियंका गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने महात्मा गांधी की फोटो लेकर केंद्र सरकार के नये कानून व मनरेगा का नाम बदलने का विरोध किया। विपक्ष के सभी नेताओं ने एक सुर से मनरेगा का नाम जी राम जी करने का विरोध किया तो पुराने कानून को खत्म करके नया कानून बनाने की मंशा पर भी तमाम सवाल उठाए।

'महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान : राहुल

इधर, कांग्रेस नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर ट्वीट किया- 'मोदीजी को दो चीजों से पक्की नफरत है – महात्मा गांधी के विचारों से और गरीबों के अधिकारों से। मनरेगा, महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के सपने का जीवंत रूप है – करोड़ों ग्रामीणों की जिंदगी का सहारा है, जो कोविड काल में उनका आर्थिक सुरक्षा कवच भी साबित हुआ। मगर, प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही, और पिछले दस सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा है।

सरकार का तर्क : इधर, सरकार का कहना है कि 20 साल में देश बहुत बदल गया है इसलिए मनरेगा की जगह जी राम जी की जरूरत है। सरकार का तर्क है कि इस कानून से भारत के व्यस्क नागरिक को साल में 125 दिन के रोजगार की गारंटी मिलेगी पुराने कानून में बदलाव जरूरी थे क्योंकि भ्रष्टाचार बढ़ गया था, लक्ष्य नहीं प्राप्त हो रहे थे।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज नावापारा, पो.-आरागाही, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) पिन : 497220
Email: principal.084.csvtu@gmail.com
Website: https://www.gprganj.ac.in

क्रमांक 603/शापॉरा / स्था/2024-25 रामानुजगंज, दिनांक 15/12/2025

निविदा निरस्तीकरण सूचना

शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज के संस्था परिसर में (24X7) सुरक्षा सेवा हेतु मोहरबंद निविदाएं (निविदा क्रमांक-जी. 252605259) आमंत्रित की गई थी परन्तु अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त किया जा रहा है।

प्राचार्य
जी. 252605492/2 शासकीय पॉलीटेक्निक रामानुजगंज

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग जगदलपुर, जिला - बस्तर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: http://cgeprocurement.gov.in
WRD Portal:http://wrd.cgeprocurement.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित सिस्टम निविदा क्रमांक 174213 जिसका जी नंबर 252603184 दिनांक 02.09.2025 को निविदाकार द्वारा अनुबंध नहीं किये जाने के कारण निरस्त किया जाता है एवं सिस्टम निविदा क्रमांक 179998, 180000 एवं 180001 जिसका जी नंबर 252604925 दिनांक 20.11.2025 को प्रथम आमंत्रण में "एकल निविदा" होने से प्रतिस्पर्धा का अभाव होने के कारण एवं निविदाकार की संख्या निरंक होने के कारण निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग
जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)
जी. 252605496/4

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 09.12.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र.31 में दुर्गा पण्डाल से ब्लूबर्ड स्कूल तक एवं ब्लूबर्ड स्कूल से उच्चजलागार, डॉ. अरोरा गली, सिसोदिहा घर से बंधोर गली में रोड का डामरीकरण कार्य। (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	94.49	31.12.2025 (T.No. 181438)
2	वार्ड क्र. 31 में नवीन स्टॉल से बद्रसान गली, काली मंदिर गली से दर्शन घर, कबीर आश्रम से संजय घर तक आर.सी.सी. नाली का निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	97.08	31.12.2025 (T.No. 181439)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 05.12.2025 निविदा सिस्टम नं. 181207 (द्वितीय आमंत्रण) तथा निविदा सूचना क्र. 08/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 05.12.2025 निविदा सिस्टम नं. 181212 (द्वितीय आमंत्रण), जी नम्बर-252605347 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

S. No.	Particulars	Previous Published	Amendment As
1	ITEM RATE TENDER, FORM-B (ENVELOPE -'C') & PREQUALIFICATION DOCUMENTPART-I (ENVELOPE - 'B') ANNEXURE-I Physical Turnover S.No. 1.Hard Rock Excavation (STNO.-181207)	37.12 x 0.50= 21.57 11/12 (Say 21.00 Cum)	Not Required
2	ITEM RATE TENDER, FORM-B (ENVELOPE -'C') & PREQUALIFICATION DOCUMENTPART-I (ENVELOPE - 'B') ANNEXURE-I Physical Turnover S.No. 1.Hard Rock Excavation (STNO.-181212)	10.57 x 0.50 = 5.77 11/12 (Say 06.00 Cum)	Not Required

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
जी. 252605507/4

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO: 127/15FC/RMC/2025 RAIPUR DATED: 15.12.2025

Online bids are invited for the following works of works up to **09.01.2026** at 17:30 hours.

System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposite	Time allowed for completion
181821	Supply, Installation, Testing Commissioning of 3 Nos. EV Charging Stations at Identified Location of Raipur City (FY 2024- 25)	90.01 Lakh	5,000/-	68,000/-	06 Month

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** in from **15.12.2025, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

SUPERINTENDING ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

Office of the Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency Project Circle No. 01 Bastar

E-Procurement Tender Notice
SHORT NOTICE INVITING BIDS

NIT No. 181/TS 1704/CGRRDA/2025 Bastar Date 16/12/2025

The Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency, Project Circle No. 01 Bastar on behalf of Governor of Chhattisgarh invites Online percentage rate bids from the eligible contractors/Firms registered with unified registration system (e-registration with Public Works Department). Details are as under:-

S. No.	NIT No.	District	Block	Scheme	Name of Work	Tonder Estimated Coat (in lakhs)	No. of Call	SOR Applied
1	181	Batar, Sukma and Bijapur	Bastar, Jagdalpur. Bakawand, Tokapal Darbha, Lohandiguda, Chhindgarh, Konta, Bhairamgarh	(DMF/ SCA/ CSR and other scheme)	Zonal Tender for Patch repair / Maintenance/ Renewal/ Special Repair/ Other Minor Work	2800.00	3rd Call	SOR of CGRRDA w.e.f. 22.02.2018

Date of release of Invitation for Bids through e-procurement: 17/12/2025 After 17:30 Hours.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency, Project Circle No. 01 Bastar Dist. Bastar (C.G.)
E-mail: circle1jdp@gmail.com

S.- 46262

प्रथम पृष्ठ का शेष

आईपीएल के इतिहास...

रुपए में भी बड़ी बोली की संभावना जताई जा रही है। **लिमिट के चलते ग्रीन को मिलेंगे 18 करोड़-** हालांकि बोली 25.20 करोड़ की लगी, लेकिन कैमरन ग्रीन को व्यक्तिगत रूप से 18 करोड़ रुपये ही मिलेंगे। बीसीसीआई ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए मिनी ऑक्शन में अधिकतम 18 करोड़ रुपये की सीमा तय की है। शेष 7.20 करोड़ रुपये बीसीसीआई के वेलफेयर फंड में जमा किए जाएंगे। इस नियम का उद्देश्य विदेशी खिलाड़ियों की अत्यधिक डिमांड पर नियंत्रण रखना है। **पथिराना सबसे महंगे श्रीलंकाई खिलाड़ी -** दो करोड़ रुपए की आधार मूल्य के साथ इस नीलामी में शामिल होने वाले पथिराना आईपीएल में बिकने वाले सबसे महंगे श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए। विदेशी खिलाड़ियों के लिए नीलामी के नियमों के अनुसार हालांकि शेष राशि बीसीसीआई के खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में जाएगी। **विकेटकीपर्स और ऑलराउंडर्स पर भी लगी बोली-** तीसरे सेट में विकेटकीपरों पर नीलामी हुई। फिन एलन को 2 करोड़ में केकेआर, बेन डकेट को 2 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स और क्विंटन डी कॉक को 1 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने खरीदा। वहीं जॉनी बेयरस्टो, केएस भरत और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे नाम अनसोल्ड रहे। **आकिब को डीसी ने खरीदा, पृथ्वी-सरफराज नहीं बिके-** जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी डार को भी दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा। उनकी शुरुआती कीमत 30 लाख रुपए थी। पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छी लय में होने के बावजूद इस नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला।

आज छत्तीसगढ़ के...

सिंह और हरप्रीत भाटिया आईपीएल में दस्तक दे चुके हैं। पिछली बार प्रदेश के 7 खिलाड़ी ऑक्शन में थे, लेकिन शशांक और अजय को चुना गया था।

11 आईएएस के...

जिसकी भारत निर्वाचन आयोग से अनुमति मिल गई है। इसके अलावा रणवीर शर्मा कलेक्टर बेमेतरा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक का प्रभार सौंपा गया है। सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव को दंतेवाड़ा और नारायणपुर की कलेक्टर रहीं प्रतिष्ठा ममगाईं को बेमेतरा का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। नम्रता जैन को नारायणपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। **यहां भी हुए बदलाव-** प्रकाश कुमार सर्वे को बिलासपुर नगर पालिक निगम का आयुक्त, गजेंद्र सिंह ठाकुर को धमतरी जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी और रोमा श्रीवास्तव को उप सचिव, मंत्रालय के पद पर पदस्थ किया गया है।

डॉक्टर के घर...

एवं दल्लीराजहरा की ओर आरोपियों की तलाश में रवाना किया गया। टीमों द्वारा लगातार व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर निरंतर प्रयास कर सभी 12 आरोपी को हिरासत में लेकर धमतरी लाया गया।

यह है फर्जी आईटी...

माडापारा बोधन रोड रजौली थाना रनचिरई बालोद वर्तमान निवास सेजबहार रायपुर, चेतन साहू पिता झोंटूराम (44) ग्राम सांगली थाना गुरूर बालोद व श्रवण ध्रुव पिता छत्तर सिंह (28) हटकेशर वार्ड धमतरी निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

84 लाख के 34...

पीएलजीए सदस्य व अन्य शामिल है, जो हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए। समर्पित नक्सलियों को बतौर प्रोत्साहन 50-50 हजार रुपए तात्कालिक सहायता प्रदान किया गया। **समर्पित नक्सलियों में यह शामिल-** समर्पित नक्सलियों में 8-8 लाख के ईनामी केरलापाल एरिया कमेटी डीवीसीएम पण्डरू पूनेम ऊर्फ संजू, रूकनी हेमला, देवा उईका, रामलाल पोयाम उर्फ रामलू, मोटू पुनेम उर्फ रवि के अलावा 5-5 लाख के ईनामी मीना माड़वी उर्फ जमली, सुदरू पुनेम, लिंगे कुंजाम उर्फ सुमित्रा, 2-2 लाख के ईनामी पाले उईका, सुखराम उरसा उर्फ गंगा, दिनेश करटाम उर्फ बामड़ा, शंकर पोडियाम, सुखराम पोडियम, मुन्ना पोयाम, सुखमती बोड्डू, लक्ष्मण गोंदे उर्फ डेंगा, लक्ष्मण हेमला, अर्जुन बोड्डू, 1-1 लाख के ईनामी पण्डरू मड़कम उर्फ सलीम, राजू कुरसम उर्फ दुरूम, मोती उरसा, सोमारू मड़कम, संतो पोड़ियाम ऊर्फ संतोषी ऊर्फ शांति, हिड़मा माड़वी ऊर्फ गुडडी, सुखमती उरसा, चमरू ओयाम, जनताना सरकार अध्यक्ष पण्डरू बड़दी, जनताना सरकार उपाध्यक्ष पायकू ओयाम, मिलिशिया प्लाटून ए का सेक्शन कमाण्डर सुखराम तेलम, मिलिशिया प्लाटून सदस्य जग्गू पोडियम, सन्नू कुरसम, राजू हेमला, फगनू मड़कम उर्फ मल्लेश तथा सुरेश कुरसम परकेली आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य शामिल है।

छत्तीसगढ़ को शांति,...

घटना नहीं है, बल्कि भय और भ्रम से मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन की ओर लौटने का निर्णय है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले सभी व्यक्तियों के पुनर्वास, सुरक्षा, आजीविका, कौशल विकास और सामाजिक पुनर्समावेशन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री ने आज भी भटके हुए युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे हिंसा का मार्ग त्यागें, लोकतंत्र और विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें तथा प्रदेश और देश के निर्माण में सहभागी बनें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को शांति, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य का प्रदेश बनाना राज्य सरकार का अटल संकल्प है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास जारी रहेंगे।

220 माओवादी...

नीति तथा शांति, संवाद एवं विकास पर आधारित सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मंगलवार को 34 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। जिसमें 84 लाख के 7 महिला कैडर व 27 पुरुष कैडर शामिल हैं जिन्होंने सशस्त्र और हिंसक विचारधारा से स्वयं को अलग कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। एसपी ने कहा कि मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी कैडरों ने भारतीय संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन जीने का संकल्प लिया है।

प्रदेश के 6 सरकारी...

अध्यक्ष और जगदीश साहू को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दुर्ग जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में नरेश यदु उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। जगदलपुर में श्रीनिवास मिश्रा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजनांदगांव में सचिन सिंह बघेल को अध्यक्ष और भरत वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

3200 करोड़ का...

इस घोटाला के मुख्य आरोपियों में सौम्या का नाम भी शामिल है। इसके अलावा इस घोटाला में आबकारी विभाग के 28 आबकारी अधिकारी भी आरोपी बनाए गए थे, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है।

कोहरे का कोहराम,...

इसमें मृतकों के शवों के टुकड़ों को पॉलीथीन में ले जाया गया ताकि डीएनए टेस्ट से उनके परिवार का पता चल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मुआवजे की घोषणा की है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना बलदेव थाना क्षेत्र के गांव खड़ेहरा के पास माइलस्टोन संख्या 125 पर हुई। सुबह के वक्त दृश्यता लगभग शून्य थी, जिससे आगे-पीछे चल रहे वाहन एक-दूसरे को नहीं देख पाए। टक्कर के बाद कई वाहनों में आग भड़क उठी और यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। कुछ लोग खिड़कियों से कूदकर जान बचाने में सफल रहे, लेकिन कई यात्री आग में फंसे रह गए। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर आगरा से नोएडा की ओर जाने वाला यातायात पूरी तरह ठप हो गया। क्रेन की मदद से जले और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सड़क को आंशिक रूप से बहाल किया गया। प्रशासन ने वाहन चालकों से कोहरे के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है।

25 हजार रुपए...

अंतर्गत ग्राम कोटेया निवसी रमेश कुमार राजवाड़े का मकान पिछली बारिश के दौरान आंधी तूफान में पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हो गया था। मकान के क्षतिग्रस्त होने पर ग्रामीण ने क्षतिपूर्ति हेतु आवेदन तहसील कार्यालय में जमा लिया था। तहसील कार्यालय से जांच के बाद ग्रामीण के मकान हेतु मुआवजा राशि 80 हजार रुपए की स्वीकृति की गई थी लेकिन राशि स्वीकृत होने के बाद नायब तहसील जरही में पदस्थ बाबू लोखन राम सोरी द्वारा 50 प्रतिशत राशि की मांग की गई थी। आरोप है कि 40 हजार रुपए में से ग्रामीण रमेश कुमार राजवाड़े ने पूर्व में 15 हजार रुपए लोखन राम सोरी को प्रदान भी कर दिया था लेकिन इसके बाद भी वह ग्रामीण को मुआवजा के लिए लगातार दौड़ा रहा था और शेष 25 हजार रुपए देने के बाद ही मुआवजा राशि जारी करने की बात कह रहा था। ऐसे में प्रताड़ना और भ्रष्टाचार से तंग आकर रमेश कुमार राजवाड़े ने 1 दिसम्बर को एंटी करप्शन ब्यूरो कार्यालय अंबिकापुर में मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद डीएसपी प्रमोद खेस के नेतृत्व में टीम ने इस प्रकरण की जांच कराई और सत्यापान के दौरान पूरे 25 हजार रुपए लेने के बाद ही राशि जारी होने की बात की गई। ऐसे में मंगलवार को निरीक्षण शरद सिंह व धनंजय राजपूत के नेतृत्व में एसीबी की टीम नायब तहसील कार्यालय जरही पहुंची और ट्रैप कार्रवाई शुरू की। जैसे ही ग्रामीण रमेश राजवाड़े ने बाबू को 25 हजार रुपए की रिश्वत दी एसीबी ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। फिलहाल एसीबी द्वारा आरोपी 33 वर्षीय लोखन राम सोरी को धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की विवेचना चल रही है।

भृत्य को बाबू...

कर एक चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी को बाबू बनाकर कार्यालय में बैठाया गया था उससे काम लिया जा रहा था। एसीबी अब लोखन राम सोरी के भृत्य से बाबू बनने और इस कारोबार में अन्य लोगों के संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

पीएम में हाई ...

बाघ के पीएम के लिए सोमवार को भी पशु चिकित्सकों को बुलाया था लेकिन शव के साथ छेड़छाड़ करने जांच प्रभावित होने के संदेह पर पीएम स्थगित कर दिया। मंगलवार को सुबह बाघ के शव का मुआयना करने के बाद स्नीफर डॉग घटनास्थल से जंगल के अलग-अलग रास्ते से ग्राम घोंघा बस्ती एवं पास के परसडीहा बस्ती के कुछ घरों तक पहुंचा। स्नीपर डॉग की निशानदेही से इन्हीं दोनों गांव के लोगों द्वारा अवैध शिकार के लिए करंट की बाड़ बिछाने की संभावना जताई जा रही है। संदेह के आधार पर वन अधिकारियों ने कुछ संदेहियों को हिरासत में लिया है तथा उनसे पूछताछ की जा रही है। अभी तक विभाग को बाघ की हत्या करने के संबंध में कुछ खास सबूत नहीं मिल पाया है। घटनास्थल अम्बिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग से लगभग एक किमी दूर है तथा पास में ही ग्राम घोंघा है। दूसरे गांव के शिकारी शिकार के उद्देश्य से करंट की बाड़ लगाने नहीं आएंगे इस लिहाजा से घटना में ग्राम घोंघा के ही आरोपियों के शामिल होने की संभावना है। अवैध शिकार के मामले में ग्राम परसडीहा सहित वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र के अन्य ग्रामीणों के भी शामिल होने की संभावना है जो आरोपियों के रिश्तेदार हो सकते हैं। वन अधिकारी इसी आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

जंगली जानवरों ...

खबरों के आधार पर लिया है। इनमें सूरजपुर वनमंडल के घुई रेंज अंतर्गत रेवटी जंगल में मिले बाघ के शव का मामला प्रमुख है। मीडिया में दिखाई जा रही खबरों के अनुसार बाघ का शव संदिग्ध हालत में मिला था, उसके दांत और नाखून गायब थे तथा शरीर पर गहरे जख्म के निशान पाए गए थे। घटनास्थल से धारदार हथियार की बरामदगी भी सामने आई है। कोर्ट के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला शिकार का प्रतीत होता है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि, शव की स्थिति से अनुमान है कि,बाघ की मौत तीन से चार दिन पहले हो चुकी थी। इसके अलावा खैरागढ़ वनमंडल के बानबोद क्षेत्र में तेंदुए की निर्मम हत्या का मामला भी सामने आया है। मीडिया के मुताबिक तेंदुए को मारकर उसके चारों पंजे और जबड़े के दांत निकाल लिए गए थे। जंगल में तेंदुए का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला, जिससे संगठित अवैध शिकार गिरोह की आशंका जताई गई है। कोर्ट ने इस घटना को भी अत्यंत गंभीर मानते हुए वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बिलासपुर स्थित कानन पेंडारी जू में एक वृद्ध बाघिन की मौत का मामला भी सामने आया है, जिसे लेकर भी अदालत ने चिंता जताई है। कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि हाल ही में राज्य शासन की ओर से यह बताया गया था कि प्रदेश में शिकार की कोई नई घटना नहीं हुई है, जबकि इसके मीडिया में दिखाएं गए खबरों में बाघ, तेंदुआ और बाघिन की मौत से जुड़ी घटनाएं लगातार दिखाए जा रहे हैं। इन सभी घटनाओं को एक साथ जोड़ते हुए हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की स्थिति और गंभीर हो सकती है। अदालत ने राज्य शासन के अधिवक्ता को निर्देश दिए हैं कि आदेश की प्रति तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए, ताकि अगली सुनवाई से पहले जिम्मेदार अधिकारियों का व्यक्तिगत जवाब रिकॉर्ड पर आ सके।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी । डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलासपुर की Pvt. Ltd. कम्पनी को Branch Manager, Services Manager, Marketing Manager, फिल्ड ऑफिसर, Counselor, Tele Caller, Computer Operator (Hindi/ English Typing) की आवश्यकता है । वेतन (10000 से 35000) सम्पर्क करें- Narayan Plaza, Bilaspur 6269222001 **(39410)**

आवश्यकता है- ऑफिस में एकाउंट कार्य करने हेतु कम्प्यूटर में टैली, मैनुअल जानकार दो लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 8बजे से 10बजे तक 9300311692 **(39415)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गीता इलेक्ट्रीकल्स एण्ड हार्डवेयर बहतराई चौक सीपत रोड बिलासपुर 8839011077, 9827184971 **(39417)**

आवश्यकता है- सुबह 9 बजे से शाम 6:30 बजे तक घर में सभी घरेलू काम करने के लिए कामवाली बाई एवं खाना बनाने वाली की आवश्यकता है सम्पर्क करें-9685901101 **(39418)**

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस एसी शोरूम में सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर ब्वॉयेज, गर्ल्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 **(39412)**

आवश्यकता है- टिफिन सेन्टर में खाना बनाने के लिए महिला एवं टिफिन पहुंचाने के लिए लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9399299641 **(39402)**

आवश्यकता है

एसबीटी महाविद्यालय, बिलासपुर, जिला बिलासपुर में विश्वविद्यालय परिनियम 28 के प्रावधानानुसार प्राचार्य सहित शैक्षणिक पदों के लिये आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

प्राचार्य -1 पद

सहायक प्राध्यापक
रसायन शास्त्र- 1 पद
वनस्पति शास्त्र - 1 पद
भौतिक शास्त्र- 1 पद
मनोविज्ञान- 1 पद
जंतु विज्ञान- 1 पद
योग- 1 पद
ग्रंथपाल- 1 पद

नोटः- प्राचार्य सहित शैक्षणिक पदों के लिये योग्यता एवं वेतनमान यूजीसी/ राज्य शासन द्वारा निर्धारित।

पत्र व्यवहार का पता निम्नानुसार
महाविद्यालय का नाम
एसबीटी महाविद्यालय
कुदुदण्ड, बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि- 02/01/2026
पता- एसबीटी महाविद्यालय कुदुदण्ड, बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आवश्यकता है- Ambition मार्केटिंग में फिल्ड वर्क करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(39416)**

आवश्यकता है- होटल की रसोई (किचन) में बर्तन धोने एवं साफ सफाई कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल विस्तारा मेन रोड तिफरा बिलासपुर 93015 77078 **(39411)**

आवश्यकता है- रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन AGFG चर्च के पास मोपका चौक बिलासपुर 79872 36607, 7898744079 **(39379)**

आवश्यकता है

बीएलटी महाविद्यालय, दर्रीपारा रोड, रतनपुर, जिला बिलासपुर में विश्वविद्यालय परिनियम 28 के प्रावधानानुसार प्राचार्य सहित शैक्षणिक पदों के लिये आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

प्राचार्य -1 पद

सहायक प्राध्यापक
रसायन शास्त्र- 1 पद
जंतुविज्ञान- 1 पद
भौतिक शास्त्र- 1 पद
वनस्पति शास्त्र- 1 पद
गणित- 1 पद
ग्रंथपाल- 1 पद
योग- 1 पद

नोटः- प्राचार्य सहित शैक्षणिक पदों के लिये योग्यता एवं वेतनमान यूजीसी/ राज्य शासन द्वारा निर्धारित।

पत्र व्यवहार का पता निम्नानुसार
महाविद्यालय का नाम
बीएलटी महाविद्यालय
दर्रीपारा रोड, रतनपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि-02/01/2026
पता- बीएलटी महाविद्यालय, दर्रीपारा रोड, रतनपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आवश्यकता है- हॉस्टल में साफ सफाई कार्य करने के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें-पी.पुरी, मित्र विहार नारायण प्लाजा के पास लिंक रोड बिलासपुर 9340969592 7828803577 **(39408)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में रिपेयरिंग, साईड कार्य, वायरिंग, फिटिंग कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है रहने की सुविधा सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 **(39407)**

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 **(39295)**

आवश्यकता है- नवजात बच्चे की देखभाल के लिए नोनी या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड बिलासपुर 9714927620, 8980809043 **(39403)**

आवश्यकता है- टायर एण्ड सर्विस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एलाइनमेन्ट टेक्नीशियन, कार वाशिंग हेतु मेहनती लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 98271 68468 **(39404)**

आवश्यकता है- लड़कों की आवश्यकता है रनिंग ट्रेन में साफ सफाई और AC अटेंडेंट, ट्रेन के AC कोच में बेड रोल, पिल्लों, चादर, बाटने के लिए, काम करने के लिए। ऑफिस- रेल्वे स्टेशन बॉक्सिन स्टेडियम के बगल में SKS ऑफिस है सम्पर्क- 9907956399, 8172091522, 8516829325 **(39405)**

आवश्यकता है- घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 96692 11111, 9827175811 **(39406)**

आवश्यकता है- Secure N Safe Pest Control को 6 टेक्नीशियन, 4 सेल्स ऑफिसर चाहिए वेतन 12000 से 15000+ खाना, पैट्रोल+ सुविधाएं। लोकेशन बिलासपुर पता- HIG-3, पारिजात एक्सटेंशन नेहरू नगर बिलासपुर 9203168101, 9893241870 **(39395)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 100000 सम्पर्क करें- मंदिर चौक बिलासपुर 089823 73586 **(0302)**

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने हेतु सेल्सगर्ल, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सेल्स ब्वॉय की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 93003 29794, 9131876031 **(39399)**

आवश्यकता है- केयर टेकर लेडिस (खाना, साफाई, बच्चों की देखभाल) 10पद, हाऊस किपिंग स्टाफ लड़के, लड़की (हास्पीटल, शोरूम) 50पद, ड्राईवर 5पद सभी बिलासपुर हेतु वेतन 7000 से 12000 सम्पर्क करें- 8461881111, 8889823100 **(39397)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर- 15, सुरक्षागार्ड- 66, वेतन 13000- 10000/- सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 77460 00019 **(348)**

आवश्यकता है- Walk-In Interview 19 दिसंबर 2025 General Sales Executive Field Work बिना टारगेट स्थिर नौकरी फील्ड सेल्स में कैरियर बनाने का शानदार अवसर टारगेट फ्रेशर के बिना सुरक्षित और स्थिर नौकरी। सैलरीः 12000- 15000 लाभ Pf, Esic, ग्रोथ के अवसर योग्यता न्यूनतम 1वर्ष का फील्ड सेल्स अनुभव, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, इंटरव्यू पता- Ora Makers, 2nd Floor Krishna Complex Shiv Talkies Chowk, Bilaspur समय सुबह 11 बजे से शाम 4बजे तक रिज्यूम के साथ सीधे Walk-In करें सीमित पद पहले आएँ पहले पाएँ- 7970010958 **(428)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- कपड़ों की दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों एवं कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 (अनुभव के अनुसार) सम्पर्क करें- MOD Girls & Kids, 9907110290 **(39401)**

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 **(39304)**

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 **(520)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 10000+ अतिरिक्त कमीशन सम्पर्क करें- गीतांजलि विहार लखन भोजनालय नेहरू नगर बिलासपुर 09685646863 **(0301)**

आवश्यकता है- सिक्योरिटी एजेंसी में कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें कार्य स्थल कार का शोरूम मोटर साइकिल शोरूम अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी, योग्यता 10वीं पास कार्य स्थल बिलासपुर सम्पर्क करें- 99816 30084, 9425534940 **(426)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ कमाए 20000 तक रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 9109258234, 74154 55110 **(522)**

आवश्यकता है- NSN कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35वर्ष, सैलरी 10000 से 15000, रहना फ्री सम्पर्क करें-रायपुर 99939 29100, भिलाई 98276 22050 **(411)**

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग हेतु युवतियों व महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 10वीं से ग्रेजुएशन, वेतन 5000+ कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें-गुरु नानक चौक तोरवा बिलासपुर 8871798973, 7389532708 **(423)**

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के , आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री +गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क,7880003190 7880003160 **(521)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी पास लड़कों की आवश्यकता है जो ग्वालियर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन +बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12000 से 20000 महीने सम्पर्क करें- 6269626054, 8982690021 **(523)**

बेचना है

बेचना है- भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839422720, 88274 05230 **(39339)**

बेचना है- नगर निगम बिलासपुर में बहतराई ब्रिलिएंट पब्लिक के पास आपका आदिवासी प्लाट लेने का सपना होगा साकार सस्ते, किफायती दर पर आदिवासी एवं सामान्य प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9340387167 **(39371)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुक्र.बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मगवाये
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

आईपीएल ऑक्शन: ग्रीन पर 25.2 करोड़ की बोली, मगर 'मैक्सिमम फीस' नियम के चलते मिलेंगे सिर्फ '18 करोड़'

एजेंसी ▶▶| अबू धाबी

कैमरून ग्रीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। भले ही उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा, लेकिन नए 'मैक्सिमम फीस' नियम के चलते ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को सिर्फ 18 करोड़ रुपए ही मिलेंगे।

'मैक्सिमम फीस' नियम को पिछले साल फ्रेंचाइजी की चिंता को दूर करने के लिए लाया गया था, क्योंकि कुछ विदेशी खिलाड़ी सप्लाई-डिमांड के असंतुलन का फायदा उठाने के लिए सिर्फ मिनी ऑक्शन के लिए ही खुद को रजिस्टर करवा रहे थे। इस नए नियम के मुताबिक, विदेशी खिलाड़ी को 18 करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान नहीं किया जा सकता, जो 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी की तरफ से खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए सबसे ज्यादा ब्रैकेट था। अगर बोली 18 करोड़ रुपए से ज्यादा की होती है, तो अतिरिक्त रुपए का इस्तेमाल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) खिलाड़ियों की भलाई के लिए करेगा। हालांकि, यह नियम भारतीय खिलाड़ियों पर लागू नहीं होता।

ग्रीन बने आईपीएल के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी

कैमरून ग्रीन आईपीएल ऑक्शन के इतिहास में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था, जबकि श्रेयस अय्यर को आईपीएल 2025 के ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। कैमरून ग्रीन को आईपीएल 2023 के लिए मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ रुपए में खरीदा था, जिसके बाद उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 17.50 करोड़ में अपने साथ जोड़ा। अब कैमरून ग्रीन लगातार तीसरे सीजन नई टीम से खेलते नजर आएंगे। अबू धाबी के एतिहाद एरिना में आयोजित आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कैमरून ग्रीन इतिहास रचते हुए लीग के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले आईपीएल 2024 के ऑक्शन में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मिचेल स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था।

वेंकटेश को 16.75 करोड़ का नुकसान, आरसीबी से जुड़े

ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर आईपीएल 2026 में आरसीबी के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। नीलामी में आरसीबी ने अय्यर को खरीदा। वेंकटेश अय्यर की बेस प्राइस 2 करोड़ थी। आरसीबी ने उन्हें 7 करोड़ में खरीदा। अय्यर के लिए नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत एलएसजी ने 2 करोड़ से की थी। इसके बाद जीटी 2.20 करोड़ के साथ नीलामी में कूदी। दोनों के बीच चल रही रस्साकशी में आरसीबी ने 3 करोड़ के साथ एंट्री की। केकेआर और आरसीबी के बीच अय्यर के लिए कड़ी जंग देखने को मिली। केकेआर ने 6.80 करोड़ तक बोली लगाई। आरसीबी ने 7 करोड़ में बाजी जीत ली। हालांकि वेंकटेश अय्यर को 16.75 करोड़ का घाटा लगा है। पिछली नीलामी में केकेआर ने अय्यर को 23.75 करोड़ में खरीदा था। 30 साल के अय्यर 2021 से केकेआर से जुड़े हुए हैं। वह पहली बार आईपीएल में केकेआर के अलावा किसी दूसरी टीम की जर्सी में दिखेंगे। अय्यर ने 61 मैचों में 1 शतक और 12 अर्धशतक लगाते हुए 1,468 रन बनाए हैं और 3 विकेट लिए हैं।

हसरंगा को एलएसजी और मिलर को कैपिटल्स ने खरीदा

मिनी ऑक्शन में श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर वानिंदु हसरंगा और दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज डेविड मिलर को क्रमशः एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। वानिंदु हसरंगा ने अपना नाम 2 करोड़ वाले खिलाड़ियों की श्रेणी में पंजीकृत कराया था। हसरंगा को उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीदा। हसरंगा पूर्व में आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं। हसरंगा ने 37 आईपीएल मैचों में 46 विकेट लिए हैं। डेविड मिलर को उनकी 2 करोड़ की बेस प्राइस पर दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। मिलर को उनकी 2 करोड़ की बेस प्राइस पर दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। मिलर पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), राजस्थान रॉयल्स, और गुजरात टाइटंस एलएसजी के लिए खेल चुके हैं।

'अनकैप्ड' खिलाड़ी प्रशांत पर सीएसके ने की धनवर्षा

प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा आईपीएल नीलामी के सबसे महंगे 'अनकैप्ड खिलाड़ी' बन गए हैं। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इन दोनों युवा खिलाड़ियों को 14.2-14.2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा है। बाएं हाथ के खिलाड़ी प्रशांत वीर का बेस प्राइज 30 लाख रुपए था। उन्हें खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने सबसे पहले दिलचस्पी दिखाई। इसके बाद मुंबई इंडियंस बिड वॉर में कूद पड़ी। 1.30 करोड़ रुपए की बोली लगाते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने भी प्रशांत को अपने साथ जोड़ने में दिलचस्पी दिखाई। इस बीच राजस्थान रॉयल्स भी इस होड़ में शामिल हो गया। सनराइजर्स हैदराबाद ने 6.80 करोड़ रुपए की बोली लगाकर सभी को चौंकाया, लेकिन सीएसके ने आखिरकार प्रशांत को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की। 20 वर्षीय प्रशांत वीर ने 2 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 2 विकेट हासिल किए हैं, जबकि 9 टी20 मुकाबलों में 16.66 की औसत के साथ 12 विकेट निकाले। इस खिलाड़ी ने 28 की औसत के साथ 112 रन भी बनाए हैं।

'अनकैप्ड' खिलाड़ी कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स 14.20 करोड़ में खरीदा

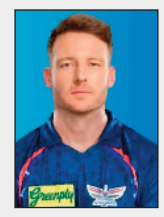

दूसरी ओर, रणजी ट्रॉफी में शतक लगाने वाले 19 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को खरीदने के लिए मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने दिलचस्पी दिखाई। आखिरकार, चेन्नई सुपर किंग्स ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइज वाले इस खिलाड़ी को 14.20 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अपने साथ जोड़ने में सफलता हासिल की।कार्तिक 8 फर्स्ट क्लास मुकाबले, 9 लिस्ट-ए मुकाबले और 12 टी20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में 2 शतक, जबकि फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 3 शतक लगाए हैं।

अंडर 19 एशिया कप में डबल सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय बने कुंडू

भारत ने मलेशिया को 315 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर 19 एशिया कप में भारत के लिए ही नहीं किसी भी टीम के बल्लेबाज के सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड अब टूट चुका है। भारत के अभिज्ञान कुंडू ने मंगलवार को मलेशिया के खिलाफ 209 रन की ऐतिहासिक नाबाद पारी खेली और सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक स्कोर बनाने वाले पाकिस्तान के समीर मिन्हास (177) और भारत के वैभव सूर्यवंशी (171) को पीछे छोड़ा।

वहीं वह अंडर 19 एशिया कप के 36 साल के इतिहास में डबल सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने। उन्होंने अपनी 125 गेंद की पारी में नाबाद 209 रन बनाए जिसमें 17 चौके और 9 छक्के शामिल थे। वह इसी के साथ मौजूदा टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा ओवरऑल रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने पाकिस्तान के समीर मिन्हास (220) को पीछे छोड़ा।

मलेशिया की टीम 93 रन पर आउट

दुबई। भारत ने अंडर 19 एशिया कप मैच में मलेशिया को 315 रन से हराया। यह रनों के अंतर से युवा वनडे में भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2022 में भारत ने युगांडा को 322 रन से हराया था। भारत ने सात विकेट पर 408 रन जोड़े। मलेशिया की टीम 32.1 ओवर में 93 रन पर आउट हो गई।

अंडर-19 एशिया कप 2025 के टॉप 5 बल्लेबाज

खिलाड़ी	देश	मैच	पारी	रन
अभिज्ञान कुंडू	भारत	3	3	265
समीर मिन्हास	पाकिस्तान	3	3	220
वैभव सूर्यवंशी	भारत	3	3	216
अयान मिस्बाह	यूएई	2	2	166
जवाद अबरार	बांग्लादेश	2	2	166

अंडर 19 एशिया कप के शीर्ष स्कोरर

अभिज्ञान कुंडू (भारत)	209* (बनाम मलेशिया), 2025
सौम्य सरकार (बांग्लादेश)	209 (बनाम कतर), 2012
समीर मिन्हास (पाकिस्तान)	177* (बनाम मलेशिया), 2025
मीत भवसर (कुवैत)	175*(बनाम नेपाल), 2021
वैभव सूर्यवंशी (भारत)	171 (बनाम यूएई), 2025

वैभव का तूफानी अर्धशतक

वैभव ने मलेशिया के खिलाफ तूफानी पारी खेलते हुए शानदार अर्धशतक जड़ दिया। वैभव ने भारतीय पारी का धमाकेदार अंदाज में आगाज किया और एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद क्रीज पर पैर जमाते हुए तेजी से रन बटोरे। वैभव ने 200 के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक जड़ने का बड़ा कारनामा किया। 25 गेंदों पर अर्धशतक जड़ने के बाद वैभव की नजरें तेजी से शतक पूरा करने पर लगी थी कि तभी मलेशियाई गेंदबाज मुहम्मद अकरम ने भारत को तीसरा झटका दे दिया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीत पर भारत की नजरें, चौथा टी-20 आज

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

शुभमन गिल का खराब प्रदर्शन चर्चा का विषय बना हुआ है लेकिन साथ ही खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव भी समीक्षा के दायरे में हैं क्योंकि भारत बुधवार को चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन तलाश कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगा।

तीसरे मैच में सूर्यकुमार के पास वह लय हासिल करने का अच्छा मौका था, जिसने उन्हें दुनिया का शीर्ष बल्लेबाज बनाया था क्योंकि भारत 118 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा किया कर रहा था लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया और सिर्फ 12 रन बनाकर आउट हो गए।

एक समय उनका दबदबा स्थापित करने वाले शॉट अनियमित परिणाम दे रहे हैं और धर्मशाला में मैच भी अलग नहीं था क्योंकि वह अपना चिर-परिचित पिक-अप शॉट खेलते हुए आउट हुए, जो उनके निरंतर संघर्ष को उजागर करता है।

द.अफ्रीका ने 28 में से गंवाए 18 मैच

दक्षिण अफ्रीका ने सबसे छोटे प्रारुप में 28 में से 18 मैच गंवाए हैं, जो प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को दर्शाता है। दक्षिण अफ्रीका को व्यवस्थित संयोजन की तलाश है और इसके लिए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है।

मुंबई ने राजस्थान को तीन विकेट से हराया

पुणे। अजिंक्य रहाणे के नाबाद 72 रन और सरफराज खान के 22 गेंद में 73 रन की मदद से मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग ग्रुप बी के मैच में राजस्थान को तीन विकेट से हराया। रहाणे ने 41 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 72 रन बनाए लेकिन सरफराज ने 22 गेंद में 73 रन की पारी में सात छक्के और छह चौके जड़े। जीत के लिए 217 रन के लक्ष्य के जवाब में मुंबई ने विकेट गंवाने के बावजूद रनगति बनाए रखी और 11 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। रहाणे और सरफराज ने दूसरे विकेट के लिए 39 गेंद में 111 रन जोड़े। सरफराज को मानव सुतार ने आउट किया, जिन्होंने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट चटकाये ।

IN THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR
CAVEAT APPLICATION NO. .... OF 2025
WRIT PETITION (C) NO. .... OF 2025

APPLICANT / CAVEATOR : MUNICIPAL CORPORATION BILAPUR (C.G.)
PROPOSED RESPONDENT
VERSUS
NON-APPLICANT : TO ALL CONCERN WHOM IT MAY RELATES
PROPOSED PETITIONER

CAVEAT APPLICATION UNDER SECTION 148-A OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE, 1908

The applicant named above respectfully submits as under:

1. That, the applicant has issued collective notice dated 16.12.2025 vide notice reference No. प्र. क्र. 623/न.पा.नि./बाज़ार विभाग/2025-26, in relation to redevelopment / demolition / relocation of the Brihaspati Bazaar area.This is to inform the general public that the Municipal Corporation / Municipal Corporation, Bilaspur (Chhattisgarh) has issued a collective final notice dated 16.12.2025 in respect of redevelopment / building construction work in the Brihaspati Bazaar area, under which directions have been issued regarding vacating shops/booths, removal of encroachments, and arrangement for temporary relocation at an alternative site situated at River View Road, on the river bank, God Para.
2. In respect of the aforesaid public / collective notice dated 16.12.2025, or any administrative / statutory / executive action related thereto, if any person, trader, institution, association, committee or any other authorised party files / proposes to file before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh at Bilaspur, or any other competent Court / Tribunal / Authority, any petition, writ petition, civil suit, application, appeal, revision, writ appeal, or any interim application / stay application or any similar proceeding, then no ex-parte (one-sided) / urgent interim order be passed without hearing the Municipal Corporation / Municipal Corporation, Bilaspur (C.G.), without considering its reply / objections, and without affording it a proper opportunity of hearing.
3. In any such proposed / potential judicial or quasi-judicial proceeding (such as writ petition, civil suit, civil application, appeal, stay application, or any other petition / application), an advance copy of the same shall, as far as possible, mandatorily be supplied / delivered at or before the time of filing to the Advocate named below, so that the Municipal Corporation / Municipal Corporation, Bilaspur (C.G.) may have an opportunity to place its case before the concerned forum- **Mr. Anadi Sharma**, Advocate, Hon'ble High Court of Chhattisgarh at Bilaspur (C.G.), Office Address: Second Floor, Ansh Plaza, Ring Road No. 02, Bilaspur (C.G.), Mobile: 8839446702
4. That, copy of the notice of the caveat published in newspaper, copy of the cutting of newspaper is filed herewith as **ANNEXURE A/1.**

PRAYER

It is therefore prayed, that this Hon'ble Court may kindly be pleased to allow the application and provide an opportunity of hearing to the caveator/proposed respondent, in the event of filing of the writ petition and before hearing the non-caveator/proposed petitioner, for grant of interim relief/stay/any relief, in the interest of justice.

Dated : 16/12/2025 — Advocate: Anadi Sharma
BILASPUR — Counsel for Caveator/proposed respondent

पंजाब से हारा मध्यप्रदेश वेंकटेश ने जड़ा अर्धशतक

अम्बी। भारतीय टीम से बाहर चल रहे हरफनमौला खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर ने मध्यप्रदेश के लिए प्रभावशाली अर्धशतक लगाया लेकिन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग ग्रुप ए मुकाबले में पंजाब को दो विकेट से जीतने से नहीं रोक पाए।

'ग्रुप ऑफ डेथ' में सात्विक-चिराग की अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| हांगझोउ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को 17 दिसंबर से शुरू होने वाले सत्रांत बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को उस ग्रुप में जगह मिली है, जिसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' (सबसे मुश्किल ग्रुप) माना जा रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हर वर्ग में आठ शीर्ष खिलाड़ी या जोड़ियां शामिल होती हैं, जिनका चयन विश्व टूर कैलेंडर में प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। दुनिया की पूर्व नंबर एक और अब तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी इस एलीट प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग को ग्रुप बी में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा क्योंकि इस ग्रुप में कई ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं।

शीर्ष दो जोड़ियां बनाएंगी सेमीफाइनल में जगह

प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो जोड़ियां सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी और ऐसे में गलती की गुंजाइश बहुत कम है। सात्विक और चिराग ने इस साल कोई खिताब नहीं जीता लेकिन भारतीय जोड़ी ने चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करते हुए निरंतरता और लचीलापन दिखाया है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ फॉर्म में वापसी की और हांगकांग ओपन तथा चीन मास्टर्स में उपविजेता रहे।

एससीओ युवा डेल्फिक खेलों के लिए भारत ने भेजा दल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय पाइथियन परिषद (आईपीसी) ने घोषणा की कि 57 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के पहले युवा डेल्फिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। किर्गिस्तान के बिश्केक में 23 से 28 मार्च तक होने वाला यह आयोजन वैश्विक सांस्कृतिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। भारतीय इतिहास में पहली बार कलाकारों की राष्ट्रीय टीम आधुनिक पाइथियन खेलों के बैनर तले किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

क्र./ परि.शा./न.नि./2025/3229/355 — भिलाई दिनांक 12/12/2025

// रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) //

नगर पालिक निगम भिलाई नव निर्मित गारमेंट फैक्ट्री हेतु मशीनरी एवं अन्य सामग्री स्थापित करने एवं संचालन पी.पी.पी. मोड पर EOI दिनांक 05.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त EOI दिनांक 08.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे उपस्थित एजेंसी अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

कार्य की विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में परियोजना शाखा एवं मुख्य कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई की वेबसाईट www.bhilainagarnigam.com एवं www.uad.cg.gov.in संचालनालय की वेबसाईट से भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

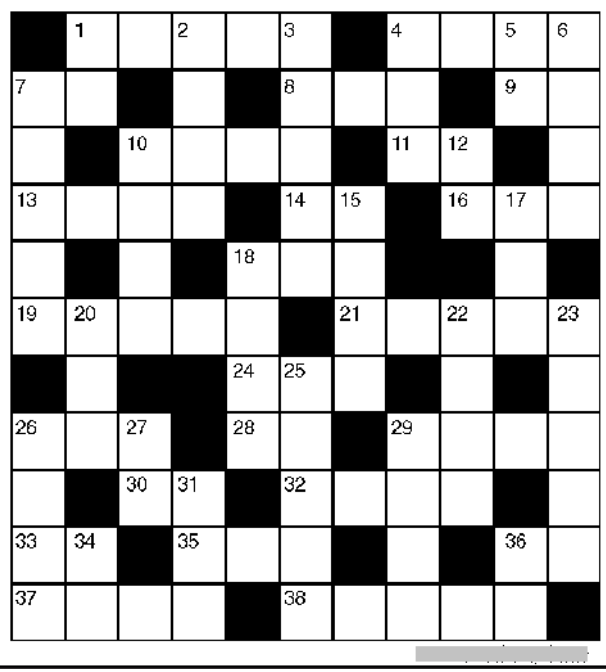

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6080

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 6079 का हल

सूडोकु नवताल - 6090

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6089 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

दावा

न नदी, न समंदर, वैज्ञानिक भी रह गए हैरान

धरती की इस जगह पर छिपा है पानी का सबसे बड़ा खजाना

पानी की बात करते ही हमारे दिमाग में यही आता है कि समंदर में सबसे ज्यादा पानी है। आपको बता दें कि धरती पर पानी का सबसे बड़ा भंडार न तो किसी नदी में है और न ही किसी महासागर में है।

लंदन। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी के अंदर हमारी पैरों के नीचे करीब 1,609 किलोमीटर गहराई में एक ऐसा जल-भंडार छिपा है, जो प्रशांत महासागर से भी बड़ा हो सकता है। यह पानी लिक्विड रूप में नहीं, बल्कि एक खास खनिज के भीतर बंद है और अरबों सालों से वहीं पर ही है।

बता दें कि वैज्ञानिकों का दावा है, पृथ्वी की निचली परत जिसे मेंटल कहा जाता है, उसके अंदर पानी की बहुत बड़ी मात्रा मौजूद हो सकती है। यह पानी इतना ज्यादा हो सकता है कि प्रशांत महासागर भी इसके सामने छोटा लगने लगे। धरती के अंदर एक ऐसा छिपा हुआ महासागर हो सकता है, जो अरबों सालों से ठोस चट्टानों के भीतर कैद पड़ा है।

पानी को पकड़ने वाला खनिज

साइंस जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने बताया कि धरती की गहराई में पाया जाने वाला एक आम खनिज, ब्रिजमैनाइट पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा पानी जमा कर सकता है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, यह खनिज और ज्यादा पानी अपने भीतर सोख लेता है। इससे यह संकेत मिलता है कि धरती का काफी पानी सतह पर आने के बजाय अंदर ही फंसा रह गया है।

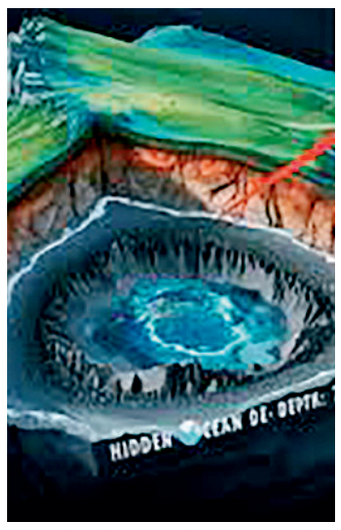

क्या शुरुआत से था पानी?

एक रिपोर्ट की माने तो पहले माना जाता था कि पृथ्वी का केंद्र पूरी तरह सूखा है। हालांकि, नई रिसर्च बताती है कि हमारा ग्रह शायद शुरुआत से ही इस अंदरूनी जल-भंडार के साथ बना था। ऐसा भी हो सकता है कि यह भंडार आज भी धरती के जिओलॉजिकल प्रोसेस को प्रभावित कर रहा हो।

कितनी गहराई में है यह पानी

यह ना दिखाई देने वाला जल-भंडार हमारे पैरों के नीचे लगभग 1609 किलोमीटर की गहराई में मौजूद है। इतनी गहराई तक पहुंचना फिलहाल इंसान के लिए संभव नहीं है इसलिए यह पानी आज भी पूरी तरह रहस्य बना हुआ है। आपको बता दें कि यह पानी किसी झील या समुद्र की तरह तरल रूप में नहीं है। ब्रिजमैनाइट के अंदर पानी हाइड्रोजन परमाणुओं के रूप में खनिज की तरह बंधा हुआ है। यह ठोस चट्टानों के अंदर छिपा हुआ एक महासागर जैसा है।

यह रिसर्च किसने की?

यह रिसर्च वेनहुआ लू के नेतृत्व में कार्नेगी इंस्टीट्यूशन फॉर साइंस के वैज्ञानिकों ने की। उन्होंने धरती के शुरुआती दौर की परिस्थितियों को समझने के लिए हाई-प्रेशर और हाई-टेम्परेचर प्रयोग किया। इन एक्सपेरीमेंट में 3,700 केल्विन से ज्यादा तापमान और 7 लाख एटमॉस्फियर से अधिक दबाव की स्थिति बनाई गई। जिससे निचले मेंटल की असली हालत को समझा जा सके।

चांद पर कंपन कैसे हो रहा? बस्तियां बसाने वाले प्लान को लगा झटका

वॉशिंगटन। पहले कहानियों में चांद पर बसने की बातें होती थीं, लेकिन अब साइंटिस्ट इस दिशा में काम भी कर रहे हैं। चीन, नासा, भारत चांद पर इंसानों को भेजने और वहां बेस बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। रूस और चीन तो 10 साल के अंदर चांद पर पॉवर प्लांट बनाने की तैयारी में हैं। अब चांद पर कंपन का पता चला है।

चांद पर आ रहे भूकंप : दो महीने से भी कम समय बाद नासा चार एस्ट्रोनॉट्स को चांद पर भेजने वाला है। 10 दिन का यह मिशन चांद पर उतरने और धरती पर सुरक्षित लौटने का होगा। क्रू तैयार है। इसके बाद 2027 का अलग प्लान है। इस बीच, एक स्टडी से चांद पर बस्ती बसाने के प्लान को शुरुआती झटका लगा है। हां, पता चला है कि चांद पर भी धरती की तरह भूकंप आ रहे हैं। इससे आप चांद पर कहीं भी ज्यादा दिन रहने के बारे में नहीं सोच सकते।

चांद पर कंपन नया खतरा पैदा कर रहा है। बडे. साइंटिस्ट थॉमस आर वाटर्स और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के भूविज्ञानी निकोलस शमेर ने एक स्टडी में पाया है कि चांद पर बार-बार मूनक्वेक आते हैं और इस कारण अपोलो 17 के लैंडिंग वाले इलाके में बदलाव भी हुआ है। कुछ साइंटिस्टस इसकी वजह उल्कापिंडों का टकराना मान रहे थे।

कैसे पता लगाया चांद पर भूकंप?

साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित स्टडी में वाटर्स और शमेर ने बताया है कि उन्होंने ली-लिंकन फॉल्ट के पास 3 की तीव्रता के झटकों का अनुमान लगाने के लिए चट्टानों के निशानों और भूस्खलन का अध्ययन किया। शमेर ने कहा कि उनके पास मोशन को मापने वाले उपकरण नहीं थे, इसलिए उन्होंने सतह के सुरागों पर भरोसा किया।

चांद पर कहीं भी बस्ती नहीं

वाटर्स ने आगाह किया है कि भविष्य में चांद पर बेस या कहें कि बस्तियां बसाने की योजना बनाते समय इन सक्रिय फॉल्ट पर गौर करना होगा, क्योंकि ये एक्टिव हैं। वैसे उन्होंने यह भी कहा कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप की रोजाना संभावना 20 मिलियन में से एक ही है, लेकिन लंबे समय तक रहने से जोखिम बढ़ जाता है।

गंभीरता से करना होगा विचार

चांद पर ही टॉरस-लिट्रो वैली में बड़े-बड़े पत्थर बिखरे हुए दिखे हैं। हो सकता है कि कुछ उल्कापिंडों के टकराने से निकले हों, लेकिन कई पत्थरों के पास कोई क्रेटर के निशान नहीं हैं। सीनियर साइंटिस्टों ने इन पत्थरों का ऊंची ढलानों पर भी पता लगाया। पता चला कि उनके निशान टक्कर से बने मलबे के पैटर्न की बजाय भूकंपीय कंपन से ज्यादा मिलते हैं। नासा के साइंटिस्टों या एलन मस्क जैसे दिग्गजों को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

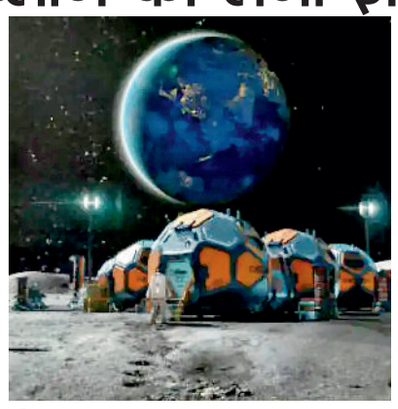

SH NABH Entry Level
ओम हॉस्पिटल
जोड़ एवं हड्डी रोग विभाग
• फ्रैक्चर का ईलाज, जोड़ प्रत्यारोपण
• जोड़ो की चोटो का दूरबीन द्वारा ईलाज
• सियाटिका, स्लिप डिस्क, कमर दर्द का ईलाज
• जोड़ो का दर्द व गठिया (arthritis) का ईलाज
• हड्डी का ना जुड़ना या हड्डी में मवाद पड़ने का ईलाज
• हाथ पैर में जन्मजात विकृतियों का ईलाज
• इम्पोर्टेड CR मशीन द्वारा डिजिटल एक्स-रे की सुविधा
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
#Rajesh

Vedanta Medical Research Foundation BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर के कैंसर विशेषज्ञों की ओपीडी सेवाएं अब डे-केयर सेंटर में भी
डॉ. भावना सिरोही MBBS, DCH, CCT, FRCP मेडिकल डायरेक्टर एवं सीनियर मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट सोमवार : सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक शुक्रवार : दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक
डॉ. कृष्णा दिव्य MD, DNB मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट मंगलवार : दोपहर 3 से सायं 5 बजे तक
डॉ. नूपुर प्रिया MS (जनरल सर्जरी) ब्रेस्ट एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट बुधवार : दोपहर 3 से सायं 5 बजे तक
डॉ. यशवंत कश्यप MD, DM मेडिकल एवं हीमेटो ऑन्कोलॉजिस्ट गुरूवार : दोपहर 3 से सायं 5 बजे तक
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करे 9209166330
बीएमसी कैंसर डेकेयर- 1st फ्लोर, गंगा डायग्नोस्टिक्स, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड ,रायपुर (छ.ग.) 8282824444
आयुष्मान भारत योजना से नि:शुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित

शौक हो तो ऐसा! घर की छत पर खड़ा कर दिया 10 चक्का ट्रक

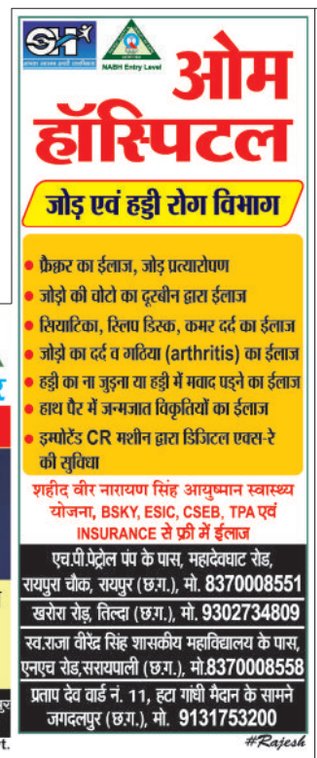

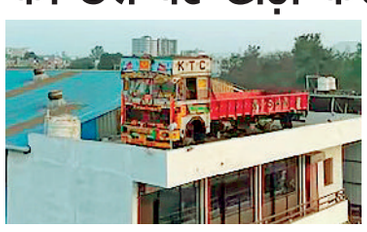

जबलपुर। अगर आप किसी ट्रक को मकान की छत पर खड़ा देखें तो क्या सोचेंगे? पहले तो आप हैरत में पड़ जाएंगे। उसके बाद मन में तरह-तरह के सवाल आएंगे। कुछ ऐसा ही होता है, जब जबलपुर-नागपुर हाईवे से गुजरते समय। यहां एक मकान की छत पर बड़ा सा ट्रक खड़ा है। दरअसल, ये ट्रक एक क्लिनर की मेहनत की निशानी है। ट्रक की सफाई से शुरू हुआ सफर, ट्रक मालिक तक पहुंच चुका है। इस सफर में क्लिनर से मालिक बने शख्स की ट्रक से दोस्ती हो गई। आज दोस्त ट्रक उनके दो

मंजिला मकान की छत पर खड़ा है। खास बात ये कि ट्रक अब भी चालू हालत में है। यह सफलता की कहानी जबलपुर के कारोबारी अमरकांत पटेल की है, जो दसवीं हो गए थे। फिर उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें। इसके बाद उन्होंने ट्रक में क्लिनर का काम शुरू किया। घर में महज जमीन का टुकड़ा था। फेल होने के बाद घर के लोग डांटा करते थे। इसके बाद उन्होंने छोटी सी उम्र में परिवार से दूरी बनाकर, ट्रक में चलना सही समझा। ट्रक क्लिनर का काम शुरू किया। इसी दौरान अमरकांत ने क्लीनर का काम करते हुए ट्रक को अपना दोस्त बना लिया। अमरकांत ट्रक की कंडक्टिंग भी कर लेते थे, लेकिन उन्होंने सोचा, क्यों न ट्रक ड्राइविंग करना भी सीखा जाए।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कानों की रिशेपिंग

जन्मजात, दुर्घटना या अन्य कारणों से कटे या टेढ़े-मेढ़े कानों की रिशेपिंग
पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

क्योटो में झड़ते बालों के लिए मांगी जाती है दुआ, गंजेपन से परेशान लोग करते हैं अनुष्ठान

टोक्यो। वर्तमान समय में दुनिया के ज्यादातर लोग झड़ते बालों से परेशान हैं। अब इस बीच एक मंदिर वायरल हो रहा है, जहां पर झड़ते बालों के लिए चिट्ठी लिखा जाती है। यह मंदिर जापान के क्योटो शहर के अराशियामा इलाके में मशहूर बैंबू फॉरेस्ट के पास स्थित है। अब दुनियाभर में लोगों का ध्यान अपनी अनोखी मान्यता के कारण खींच रहा है। मंदिर का नाम है मिकामी श्राइन है। यहां पर सुख और सफलता के लिए लोग मन्नत नहीं करते, बल्कि अपने बालों की सेहत के लिए प्रार्थना करते के लिए पहुंचते हैं।

हेयरड्रेसर को समर्पित है मंदिर : इस मंदिर की स्थापना 1960 में हुई थी, जो मिकामी श्राइन को फुजीवारा उनेमेनोसुके मसायुकी को समर्पित है। इन्हें जापान का पहला हेयरड्रेसर माना जाता है। बताया जाता है कि उनके काम से प्रभावित होकर सदियों तक जापान में नाई और हेयर सैलून हर महीने 17 तारीख को उनकी पुण्यतिथि के दिन अपनी दुकान बंद रखते हैं। इसके कारण अभी भी बड़ी संख्या में बार्बर, हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन इस मंदिर में आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं।

लिफाफे में बाल रखकर पुजारी करता है प्रार्थना

ट्रैवलर और कंटेंट क्रिएटर शर्विन अब्दोलहामिदी ने इस मंदिर में अपने अनुभव के बारे में सोशल मीडिया पर बताया है। इस बाद मंदिर की चर्चा होने लगी है। शर्विन खुद बाल झड़ने की समस्या से जूझ रहे हैं। वह यहां एक खास अनुष्ठान में शामिल हुए, जिसे कम्पात्सु के नाम से जानते हैं। इस अनुष्ठान में सबसे पहले एक लिफाफा खरीदना होता है, जिस पर श्रद्धालु अपना नाम और जन्मतिथि लिखता है। इसके बाद शिंतो पुजारी बालों की एक छोटी सी लट काटकर उस लिफाफे में रखकर बालों की सेहत के लिए प्रार्थना करता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com